



04 - दक्षिण से 'मेक-अप' के फेर में बीजेपी



05 - चण्डीगढ़ से सूरत वाया खजुराहो का राजनीतिक सदेश

A Daily News Magazine

भोपाल
गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024



06- श्रीविनायकम स्कूल के यश पवार ने स्टेट मेरिट लिस्ट में प्राप्त किया दसवां स्थान



07- मुख्यमंत्री अशोकसिंह का की डेढ़ करोड़ की राशि पर सवाल

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 228 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रु.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)



subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsaverenews
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

और जब !
धरती की सारी किताबें उड़ जाएंगी
झंझावात में,
जब उन खुले अधखुले पन्नों पर,
रंग बिरंगी स्याही से रंगा,
पका अधपका चिंतन,
विलीन हो जाएगा चक्रवातों के प्रवाह
में कहीं...
जब सुने कोरे पृष्ठ उड़ कर पहुंचेंगे
उस निराकार निरामय के पास
तब देगा वो आकार और लय नए
विचारों को।
बनाएगा बहुत से नए रंग
गढ़ेगा शाश्वत अभिनव शब्द ब्रह्म।
इस तूफान के बाद होगी चक्रवाती वर्षा
अपौरुषेय ज्ञान की बूँदें मूसलाधार
बरसेंगी
सबके सिर पर.
उनके भी, जिनके मस्तिष्क कुंद हो
चुके हैं
कैद हैं चंद किताबों और इक्का दुक्का
विचारधाराओं में,
हम सब नहाएंगे उन उन्मुक्त बारिशों में
बिल्कुल किसी अबोध बच्चे की
तरह...
इसके लिए जरूरी है,
ज्ञान के अहम का अहंकारी के साथ
कहीं विलुप्त हो जाना,
सारे किताबी ज्ञान का किताबों के साथ
हवा हो जाना,
विलीन हो जाना कहीं किसी अज्ञात
अंतरिक्ष में..... !

- आद्या

मतदाता की बेरुखी लोकतंत्र के लिए नहीं है अच्छे संकेत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

18वीं

लोकसभा के लिए पहले चरण की 102 सीटों के लिए मतदान के प्रति मतदाताओं की उदासीनता ने निराश हो किया है। आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी मतदान प्रतिशत बढ़ने के स्थान पर कम होना निश्चित रूप से किसी भी रूप में लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता है। चुनाव आयोग के लाख प्रयासों के बावजूद मतदान प्रतिशत कम होना निश्चित रूप से सोचने को मजबूर कर देता है। चुनाव आयोग से पहले चरण के मतदान के प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जाये तो साफ हो जाता है कि 2019 की तुलना में दो प्रतिशत तक मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। हालांकि त्रिपुरा और सिक्किम में मतदान का आंकड़ा 80 प्रतिशत को छूने में सफल रहा है पर वहां भी 2019 की तुलना में कम है। त्रिपुरा में 2019 के 81.9 प्रतिशत की तुलना में 81.5 प्रतिशत और सिक्किम में 84.8 प्रतिशत की तुलना में 80 प्रतिशत मतदान रहा है। पहले चरण के चुनावों में मतदान का सबसे कम प्रतिशत बिहार का रहा है जहां मतदान का आंकड़ा 50 प्रतिशत को भी छू नहीं पाया है। छत्तीसगढ़ में अवश्य 2019 की तुलना में एक प्रतिशत से कुछ अधिक मतदान रहा है। जहां तक राजस्थान का प्रश्न है 12 सीटों पर हुए मतदान में मतदान प्रतिशत में 6 फीसदी की गिरावट रही है। सभी सीटों पर मतदान का प्रतिशत 2019 की तुलना में कम रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़े आंशिक सूचना के आधार पर है पर इनमें कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। मजे की बात यह है कि पहले चरण में

लोकसभा की 543 सीटों में से 20 प्रतिशत से कुछ कम 102 सीटों पर मतदान हो चुका है। यदि मतदाताओं का अगले चार चरणों के मतदान में भी यही रुख रहता है तो यह चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, लोकतांत्रिक व्यवस्था, गैरसरकारी संगठनों सहित सभी के लिए चिंतनीय हो जाता है। मतदान में हिस्सा नहीं लेने वाले मतदाताओं को किसी भी हालत में देश का जिम्मेदार नागरिक नहीं कहा जा सकता। आज चुनाव आयोग ने जहां अवैयरेनेस प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागृत किया है वहीं पारदर्शी और सहज मतदान व्यवस्था सुनिश्चित की है। आज मतदाताओं को किसी राजनीतिक दल पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। एक मतदान केन्द्र पर एक सीमा तक ही मतदाता होने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सभी तरह की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। अब तो मतदाता को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता क्रमांक से लेकर मतदान केन्द्र तक की जानकारी का समावेश करते हुए परची उपलब्ध कराई जाती है। सैनियर सिटिजन और मतदान केन्द्र तक जाने में अक्षम मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गई है। मतदाताओं को जागृत करने के लिए प्रचार के सभी माध्यम यहां तक कि सोशियल मीडिया का उपयोग किया जाने लगा है। मतदान को निष्पक्ष और भयमुक्त कराने के लिए संपूर्ण व्यवस्था चाक चौबंद की जाती है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाती है। यहां तक कि उम्मीदवार से संबंधित जानकारी साझा की जाती है। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष व्यवस्था होती है। कानून व्यवस्था

सुनिश्चित करने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा यह नहीं भूलना चाहिए कि साक्षरता और लोगों में जागरूकता आई है। चुनाव आयोग के अलग अलग ऑर्ब्सवर द्वारा पूरी व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी जाती है ताकि राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों द्वारा मतदाताओं को किसी भी गलत तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सके। इस सबके बावजूद मतदान कम होना गंभीर हो जाता है। लोकसभा के पहले चुनाव 1952 में 44.87 प्रतिशत मतदान रहा था जो सर्वाधिक 67.40 प्रतिशत 2019 के 17वीं लोकसभा के चुनाव में रहा। मतदान में उतार चढ़ाव तो देखा जाता रहा है पर चुनाव व्यवस्था के सरलीकरण, पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव की चाक-चौबंद व्यवस्था, ग्रामीण और शहरी सभी क्षेत्रों में साक्षरता में बढ़ोतरी के बावजूद यदि मतदान प्रतिशत 90 के आंकड़े को भी नहीं छूता है तो यह घोर निराशाजनक है। हालांकि आजादी के बाद सर्वाधिक मतदान 1984 के 64.01 के आंकड़े को 2014 में पीछे छोड़ा गया पर 2019 के पहले चरण के मतदान से निराशा हो हाथ लगी है। आखिर शिथिल मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के प्रति इतना गैर जिम्मेदार कैसे हो रहा है। सब कुछ को अलग कर दिया जाये तो भी इस बात से नहीं नकारा जा सकता कि देश के नागरिक का भी अपने देश के प्रति लोकतंत्र के प्रति दायित्व होता है। आखिर हम सरकार का आलोचना करने में तो पीछे नहीं रहते पर कभी हमने सोचा है क्या कि हम मताधिकार का उपयोग करने के अपने दायित्व को नहीं समझ पाते हैं। अपनी

सरकार चुनने के अवसर पर हम हमारे दायित्व को कैसे भूल जाते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी भी अपने आप में गंभीर हो जाती है। भारत जैसे देश के आम नागरिकों द्वारा इस तरह से लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी हिस्सेदारी नहीं निभाना किसी अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। हमें गर्व होता है कि हमारे देश का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पर हमें उस समय नीचे देखने को भी मजबूर होना पड़ता है जब इतने बड़े लोकतंत्र के पर्व पर आम नागरिक अपने दायित्व को समझने और उसे पूरा करने की भूल कर बैठता है और मताधिकार का उपयोग नहीं कर व्यवस्था को ठेगा बताने का प्रयास करते हैं। मेरा तो यहां तक मानना है कि नेता का प्रयोग भी सही विकल्प नहीं है वहीं मतदान का बहिष्कार तो देशद्रोह से कम अपराध नहीं माना जाना चाहिए। चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, सर्वोच्च न्यायालय, सरकार गैरसरकारी संगठनों और समाज के प्रबुद्धजनों को सोचना होगा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर अपनी आहुति देने के काम से मुंह मोड़ने वालों के प्रति कोई सख्त कदम जैसा प्रावधान होना ही चाहिए। कोई ना कोई ऐसा संदेश जाना चाहिए ताकि लोग मतदान के प्रति संवेदनशील हो और मतदान अवश्य करें। यह समूची व्यवस्था को ही सोचने को मजबूर कर देता है। आने वाले चार चरणों में होने वाले मतदान में अधिक से अधिक मतदाता हिस्सा ले इसके लिए सभी स्तर पर समन्वित प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। (प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

कांग्रेस को दलित संत का मंदिर नहीं हो रहा बर्दाश्त

पीएम मोदी ने विपक्ष को धर्म विरोधी बताया, एमपी के सागर में जमकर घेरा

सागर/ हरदा (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बुंदेलखंड के संभागीय मुख्यालय सागर के बड़तूमा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस दलित और ओबीसी विरोधी है। इनकी भाषा आपने सुनी है क्या। मोदी बोले इन्हें मंदिर और मंदिर जाने वालों से दिक्कत है। हमने सागर में संत रविदास



समय इन्होंने क्या किया, पूरे देश ने देखा है। जी के भव्य मंदिर का सागर में शिलान्यास किया था। कांग्रेस ने उस समय कहा था कि मंदिर की जगह यहां कुछ और बन जाता। कांग्रेस को दलित संत का मंदिर भी बर्दाश्त नहीं हो रहा है। अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के

मैं शिवराज को दिल्ली लेकर जाना चाहता हूं: मोदी

हरदा में पीएम मोदी ने मंच से पूर्व सीएम और विदित सागर सीट से बीजेपी प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं शिवराज सिंह को दिल्ली ले जाना चाहता हूं। हरदा में कहा- इंडी गठबंधन के लोग वन ईयर वन पीएम का फॉर्मूला बना रहे- पीएम मोदी ने इंडी गठबंधन पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- सुना है ये लोग वन ईयर वन पीएम का फॉर्मूला बना रहे है।

राहुल बोले-कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखकर पीएम घबरा गए

माजपा दलित-ओबीसी की हिस्ट्री मिटाना चाहती है, जाति जनगणना को कोई शक्ति नहीं रोक सकती



नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के समाजिक न्याय सम्मेलन कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखकर पीएम घबरा गए हैं। यह क्रांतिकारी घोषणापत्र है। हमने जाति जनगणना कराने का वादा किया है। भाजपा दलित-ओबीसी की हिस्ट्री को मिटाना चाहती है। आपकी हिस्ट्री की जड़ को एक बार फिर लगाना होगा। जाति जनगणना को कोई शक्ति नहीं रोक सकती है। मोदी ने 10 साल देश से कहा कि वो ओबीसी हैं। जैसे ही मैंने जाति जनगणना की बात की तो मोदी बोलने लगे की देश में सिर्फ दो जाति हैं अमीर और गरीब। मैं कहता हूं कि गरीबों की लिस्ट निकालिए, उसमें आपको दलित, आदिवासी-ओबीसी मिल जाएंगे, लेकिन अमीरों की लिस्ट में आपको ये तीनों समुदाय के लोग नहीं मिलेंगे। अगर आप सुपरपावर बनना चाहते हो

कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण को लेकर घिरी कांग्रेस

एनसीबीसी ने जारी किए आंकड़े, बीजेपी हुई हमलावर

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश के संसाधनों पर मुस्लिमों के पहले हक को लेकर छिड़ी बहस के बीच कर्नाटक की सिद्धार्थ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने मुसलमानों की सभी जातियों और समुदायों को राज्य सरकार के तहत रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए ओबीसी की लिस्ट में शामिल किया है। इस बात की जानकारी खुद राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग यानी कि एनसीबीसी के द्वारा दी गई है। कर्नाटक सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का



कहना है कि मुस्लिम और ईसाई जैसे समुदाय न तो जाति हैं और न धर्म। 2011 की जनगणना के मुताबिक, राज्य में मुस्लिम आबादी केवल 12.92 फीसदी ही है। इसलिए इन्हें अल्पसंख्यक की श्रेणी में रखा जाता है। ओबीसी आरक्षण की कैटेगरी एक में 17 सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों, कैटेगरी 2 में 19 जातियों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया है और कुल मिलाकर 393 जातियां इस लिस्ट का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने इस फैसले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि पिछड़ी जाति के रूप में मुस्लिमों का वर्गीकरण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर असर डालता है और कमजोर करता है। धर्म के आधार पर दिया गया आरक्षण साफतौर पर सामाजिक न्याय की नैतिकता को प्रभावित करता है।

नितिन गडकरी महाराष्ट्र में चुनावी रैली में हुए बेहोश



मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी महाराष्ट्र के यवतमाल में चुनावी रैली के दौरान बेहोश हो गए। वे यहां एनडीए की शिवसेना प्रत्याशी राजश्री पाटिल के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करने आए थे। गडकरी बोल ही रहे थे कि अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश हो गए। मंच पर मौजूद लोग उन्हें अस्पताल ले गए। घटना के कुछ देर बाद नितिन गडकरी ने पोस्ट करके बताया कि वह स्वस्थ हैं। उन्होंने लिखा- रैली के दौरान गमी की वजह से असहज महसूस किया लेकिन अब पूरी तरह से स्वस्थ हूं।

पंचायत को मजबूत किए बिना ग्रामीण विकास संभव नहीं

भोपाल। पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) को सशक्त बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश के लिए वर्तमान अवसर और आगे की रूपरेखा विषय पर बुधवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान मध्य प्रदेश में पीआरआई की मौजूदा स्थिति और आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में आयोजित इस सेमिनार में सेवानिवृत्त आईएएस पीपी सोती, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस के पूर्व निदेशक प्रोफ़ेसर (डॉ.) एच एम मिश्रा, डिबेट संस्था के निदेशक अमिताभ सिंह और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) की सहायक प्रोफेसर अपर्णा सोनी और टीआरआई के कुमार संजय ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस दौरान राज्य में पीआरआई को मजबूत करने की वर्तमान परिचालन रूपरेखा और केंद्र (एमओपीआर और अन्य संबंधित विभाग) द्वारा बनाए गए आदेश/प्रावधान पर चर्चा की गई। साथ ही स्थानीय जीपीडीपी (ग्राम पंचायत विकास योजना) का प्रावधान और रूपरेखा और राज्य में ओएसआर जीपी बनाने के अवसर के साथ सत्र के दौरान एक लघु वीडियो प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम के दौरान लोकल गवर्नेंस विशेषज्ञ और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ गवर्नेंस एंड अर्बन मैनेजमेंट के डायरेक्टर प्रो. डॉ एच एम मिश्रा ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में सबसे नीचे है, जबकि यह ग्रामीण स्तर पर विकास में सबसे अधिक प्रभावी हो सकता है। स्वतंत्रता के



बाद ग्रामीण भारत के विकास को लेकर बहस तीखी हुई। उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन ने भ्रष्टाचार को पंचायत स्तर पर विकेंद्रीकृत कर दिया है। उन्होंने विभिन्न कमेटियों का जिक्र करते हुए बताया कि आजादी के बाद हमें गरीबी और जातिवाद विरासत में मिले थे। शुरुआती कमेटियों ने पंचायतों को सशक्त करने के बजाय विकास पर जोर दिया, बाद में पंचायतों को सशक्त करने पर जोर दिया गया। मध्य प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था शुरू होने पर कई अधिकार दिए गए, लेकिन उन अधिकारों को बाद में वापस भी ले लिया गया। उन्होंने भारत में पंचायती राज व्यवस्था के वैदिक कालीन, एपिक कालीन और महाजनपदीय उदाहरणों के साथ अपनी बात शुरू की और बताया कि आज भी पंचायतों में विकास की अवधारणा पर काफी काम किया जाना

जरूरी है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस पीपी सोती ने कहा कि निचले स्तर पर सरकारों की मंशा को ही लागू किया जाता है। इसे कोई भी नाम दे दिया जाए, लेकिन यदि उच्च स्तर पर प्रबंधन और नीयत ठीक नहीं हैं, तो फिर निचले स्तर पर इसे लागू करना काफी कठिन होता है। पंचायती राज की खूबियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक जमाने में मध्य प्रदेश में महज 20 हजार पेंशन मिलती थीं, जो आज बढ़कर साढ़े तीन लाख से अधिक हो गई हैं, और यह पंचायत स्तर पर अधिकारों को बढ़ाने से ही संभव हो सका है।

डिबेट संस्था के निदेशक अमिताभ सिंह ने कहा कि पंचायत स्तर पर आम नागरिकों की भागीदारी और पंचायतों को मजबूत करने की दिशा में सीएसओ की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन अफसोस

है कि हम इसे ठीक से लागू नहीं कर सके हैं। पंचायतों को जो अधिकार कानून ने दिए हैं, उन्हें उनका ज्ञान है, लेकिन उच्च स्तर पर और प्रशासनिक तंत्र अपनी भूमिका को सीमित नहीं करना चाहता है। प्रशासन की भूमिका पंचायत स्तर पर सहयोगी की है, लेकिन वह सारी योजनाओं को अपने मुताबिक संचालित करता है, इससे काफी गलतफहमी पैदा होती है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में आज भी लोग सवाल पूछते हैं और पंचायतों के स्तर पर अधिकार देने से ही यह संभव हो सका है। सवाल पूछ रहे नागरिक ही पंचायत स्तर पर विकास को आगे ले जा सकते हैं। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) की सहायक प्रोफेसर अपर्णा सोनी ने अपने पीपीटी प्रजेंटेशन के जरिये पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और साथ ही उन्होंने सीहोर की बिलकिसंग पंचायत के विकास प्लान में आए बदलावों के जरिये बताया कि पंचायती राज में हर तरह के विकास की संभावना है, लेकिन उसे पहले से तैयार करना होगा और लंबी रणनीति के तहत काम करने की जरूरत पर बल दिया।

‘पंचायती राज दिवस’ के अवसर पर आयोजित इस परामर्श आयोजन में टीआरआई के कुमार संजय ने सीएसओ, प्रशासन और पंचायती राज संस्थाओं के मेलजोल से विकास की अवधारणा का खाका प्रस्तुत करते हुए कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है और सभी अपने अपने तरह के प्रयास भी कर रहे हैं, लेकिन यदि यह प्रयास मिलजुलकर और दीर्घकालीन रणनीति के तहत किए जाते हैं, तो इनका असर जल्द ही दिखाई देगा।

भोजशाल में एसएसआई सर्वे का 34वां दिन

24 अधिकारी, 29 मजदूरों और पक्षकारों की मौजूदगी में हो रहा काम



दिन एसएसआई की टीम ने सुबह 8 बजे भोजशाला में प्रवेश किया। अब पूरे दिन टीम के सदस्य सर्वे के तहत अलग-अलग बिंदुओं पर काम करेंगे। बुधवार को एसएसआई के 24 अधिकारी, कर्मचारी, 29 मजदूरों व पक्षकारों की मौजूदगी में सर्वे किया जा रहा है। पिछले दो दिनों से उत्तर और दक्षिण क्षेत्र में उत्खनन चल रहा है, जिसे ही आज आगे बढ़ाया जा रहा है वहीं कमाल मौलाना दरगाह परिसर में केमिकल ट्रीटमेंट के कार्य को भी गति मिलेगी। यहां शिलालेख की सफाई करने के साथ ही पेपर स्टॉप पर उकेरने का काम चल रहा है। भोजशाला के गर्भगृह में स्तंभों की विशेष वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी की गई।भोजशाला के मुख्य परिसर के साथ ही 50 मीटर के दायरे में आने वाले कई स्थलों का बारीकी से परीक्षण किया जाना अभी शेष है। कल भी टीम के सदस्यों ने इसी तरह से काम किया था। अब इन भाषाओं का अध्ययन किया जाएगा। बताया जा रहा है, कि टीम के सदस्य पहले इन स्तंभों व आकृतियों पर केमिकल का उपयोग करके उसे साफ कर रहे है।

ओवैसी बोले-26 अप्रैल जुमा का दिन,शैतान कामयाब नहीं होगा

● बिहार के किशनगंज में कहा-मोदी सिर्फ नफरत की गारंटी दे सकते हैं

किशनगंज (एजेंसी)। किशनगंज में एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 26 अप्रैल को आपको एक तारीख बनाना है। उस दिन जुमा का दिन है, मुबारक दिन है और उस दिन शैतानी ताकत को कामयाबी नहीं मिलेगी। ना ही शैतान को कामयाबी मिलेगी। उस दिन किसकी कामयाबी होगी, आपकी कामयाबी होगी इसलिए नमाज पढ़ने के पहले और बाद दोनों समय वोट डलिए। ओवैसी ने कहा कि मोदी सिर्फ इस देश के मुसलमान से नफरत की गारंटी दे सकते है। जब वह दुबई जाते है तो सब से गले मिलते हैं, हाथ पकड़ कर चलते हैं। वहीं जब भारत के मुसलमान की बात आती है तो हम लोग घुसपैठिया हो जाते हैं। हम अगर घुसपैठिया हैं तो वह बताएं आरएसएस ने भारत की आजादी में क्या योगदान दिया है।



मिशन लोकसभा

धुवीकरण के ‘शोर’ को थाम रही विपक्ष की यह ‘खामोशी’!

● यूपी में अखिलेश का मुस्लिम से परहेज, क्या बदलेगा परिणाम



लखनऊ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की राजस्थान की रैली में अल्पसंख्यकों का संदर्भ लेकर दिए एक बयान पर राजनीति गर्म है। इसे धुवीकरण का स्ट्रेक बताया जा रहा है। कांग्रेस चुनाव आयोग के दरवाजे पर है लेकिन, उत्तर प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अपनी प्रतिक्रिया में ‘मुस्लिम’ शब्द तक से परहेज करते हुए ‘खास समुदाय’ लिख रहे हैं। यह परहेज अनायास ही नहीं है। पिछले चुनावों में सांप्रदायिक सवालों पर मुखर प्रतिक्रियाओं से उज्जी लहर विपक्ष की उम्मीदों को बहा चुकी है इसलिए, यूपी के चुनावी रण में विपक्ष ने ध्रुवीकरण के ‘शोर’ को थामने के लिए ‘खामोशी’ की रणनीति अपनाई है। यूपी में पहले चरण की 8 सीटों पर चुनाव हो चुका है। दूसरे चरण की 8 सीटों पर 26 को मत पड़ेंगे।

पटवारी बोले-बीजेपी के लोग मोदी को भगवान बनाने में लगे

पीएम के दौरे से पहले पूछे सवाल-क्या मंत्रालय की आग में फाड़लें जलाने की जांच कराएंगे

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मप्र के दौरे पर आ रहे हैं। सागर, हरदा में जनसभाओं को संबोधित करने के बाद शाम को पीएम भोपाल पहुंचकर रोड-शो करेंगे। पीएम के मप्र दौरे के पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पटवारी ने पीएम मोदी से सवाल पूछे हैं। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा -आज संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं। इसे केवल जनता चुनाव में वोट डाल कर बचा सकती है। आखिर, बीजेपी 400 पार का नारा इसीलिए लगा रही है, क्योंकि बीजेपी संविधान में बदलाव करना चाहती है। जबकि, भारत का संविधान एक बेहतरीन संविधान है। भारत का संविधान लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक और अभिव्यक्ति की आजादी देता है, पर आज कोई खुल कर बोल नहीं सकता है।



भाजपा अब सरकार माफिया बन गई है-पीएम मोदी के एमपी दौरे के पहले पटवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- देश में कथित अमृतलाल चल रहा है एवं इसमें संविधान, बाबासाहब अंबेडकर के विचार, वोट का अधिकार एवं मीडिया की आजादी बचाने की लड़ाई चल रही है। मोदी जी के शासनकाल में 17 सरकारें गिराई गई, 500 से ज्यादा विधायक एवं कई सांसद इधर उधर हुए। जैसे शराब माफिया,धू माफिया, शिक्षा माफिया होते हैं

वैसे ही भाजपा अब सरकार माफिया बन गई है।

बीजेपी के लोग मोदी को भगवान बनाने में लगे हैं-पटवारी ने कहा कि क्योंकि प्रधानमंत्री आज रोड शो कर रहे हैं इसलिए, अब वे शोमैन हो गए हैं। भाजपा कहती है कि वे भगवान के अवतार हैं, मुख्यमंत्री ने उन्हें बजरंगबली का अवतार बताया तो बजरंगबली के अवतार यह बताएं कि मध्य प्रदेश की 1.29 करोड़ लाडली बहनों के खाते में 1250 रुपए ट्रांसफर किए जा रहे थे और चुनावके बाद 3000 प्रतिमाह की मोदी की गारंटी के लिए क्या किया जा रहा है? सरकार यह पैसा कहां से देना शुरू करेगी? भाजपा सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत कहा था कि लाडली बहना योजना की हितग्राही महिलाओं और प्रधानमंत्री ऊज्ज्वला योजना की हितग्राही महिलाओं को योजना का लाभ मिलेगा।

बुर्ज खलीफा अब नहीं रह जाएगी दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग



थाईलैंड ने बनाया ‘आठवें अजूबे’ का महाप्लान, शुरू कर दी तैयारी

बैंकाक (एजेंसी)। आज के समय दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा है लेकिन अब इससे भी बड़ी बिल्डिंग बनाने का प्लान किया जा रहा है, जिसके आगे बुर्ज खलीफा भी बौना लगेगा। यह महत्वाकांक्षी योजना थाईलैंड में आकार लेगी। इस विशाल इमारत को बैंकाक में उसी कंपनी की ओर से बनाया जा सकता है, जिसने दुबई में रेकोर्ड तोड़ने वाला टावर बनाया था। थाई प्रधानमंत्री श्रेथा थाबिसिन ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर चीनी और मध्य पूर्व की कंपनियों के साथ मीटिंग की डिटेल शेयर करते हुए घोषणा की। इस प्रोजेक्ट की सटीक ऊंचाई और लागत की स्पष्ट जानकारी नहीं है लेकिन मेगास्ट्रक्चर कथित तौर पर बुर्ज खलीफा से दुनिया की सबसे ऊंची इमारत का खिताब छीन लेगा। इस टॉवर का नाम क्या होगा इसकी जानकारी नहीं है लेकिन एक ही टॉवर में ऑफिस, होटल और एंटरटेनमेंट हब शामिल होंगे। इस परियोजना में एक मनोरंजन केंद्र, कसीनो, एक बड़ा वित्तीय केंद्र और डिपार्टमेंटल स्टोर शामिल होगा।

2 मई को मुरैना में प्रियंका गांधी का रोड शो

लोकसभा चुनाव के हर चरण में कांग्रेस के नेशनल लीडर्स का म.प्र.में सिर्फ एक दौरा, पीएम हर 5वें दिन आ रहे

भोपाल (नप्र)। म.प्र.में आज शुक्रवार 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान होना है। इस दूसरे चरण में मप्र की 7 सीटों टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद और बैतूल में वोट डाले जाएंगे। इसके बाद 7 मई को तीसरे चरण में और 13 मई को चौथे चरण में 8-8 सीटों पर मतदान होगा।

अब तक कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के मप्र में सिर्फ एक-एक दौरा हुआ है। अब तीसरे चरण के चुनाव प्रचार में प्रियंका गांधी मुरैना के दौरे पर आएंगी। मुरैना में 2 मई को प्रियंका गांधी का रोड-शो होगा।

25 अप्रैल को म.प्र. आएंगे सचिन पायलट

राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट आज 25 अप्रैल को मप्र के दौरे पर आएंगे। सचिन पायलट 2024 के लोकसभा में मध्यप्रदेश में पहली बार प्रचार करने आएंगे। सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा के साथ 25 अप्रैल को उज्जैन, मंदसौर और देवास जिले में लोकसभा प्रत्याशी महेश परमार और दिलीप गुर्जर के पक्ष में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पीसीसी चीफ पटवारी, सचिन पायलट, अरुण यादव और विवेक तन्खा 25 अप्रैल को हेलीकाप्टर द्वारा सुबह 9.30 भोपाल से रवाना होकर सुबह 10.30 बजे उज्जैन पहुंचेंगे और वहां लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार की नामांकन रैली में शामिल होने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे।

दोपहर 12.30 बजे उज्जैन से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 1 बजे मंदसौर पहुंचेंगे और वहां लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप गुर्जर की नामांकन रैली में शामिल



होंगे व जनसभा को संबोधित करेंगे।

दोपहर बाद 3.00 बजे मंदसौर से प्रस्थान कर अपराह्न 3.40 बजे सोनकच्छ विधानसभा के बालीन पहुंचकर वहां कांग्रेस द्वारा आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे, इसके बाद नेतागण शाम 5.30 बजे बालीन से हेलीकाप्टर से रवाना होकर शाम 6 बजे भोपाल पहुंच जाएंगे।

कांग्रेस के नेशनल लीडर का सिर्फ एक दौरा

पहले चरण के चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी 8 अप्रैल को मंडला लोकसभा क्षेत्र के केवलारी विधानसभा क्षेत्र के धनौरा गांधी में जनसभा करने पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने शहडोल में कांग्रेस प्रत्याशी फुन्देलाल सिंह मार्कों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया था। दूसरे चरण में राहुल गांधी 21 अप्रैल को सतना के दौरे पर आने वाले थे। लेकिन ऐनवक पर उनका स्वास्थ्य खराब हो गया था। और उनकी जगह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सतना आए थे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धार्थ कुशवाहा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया था।

दिग्विजय के यहां किसी बड़े लीडर की सभा नहीं

तीसरे चरण में 7 मई को राजगढ़ में भी मतदान होना है। राजगढ़ से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। दिग्विजय ने वाहनों के काफिले के साथ

शक्ति प्रदर्शन करने, हेलीकॉप्टर के बजाए पदयात्रा कर चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी। दिग्विजय का फोकस बूथ पर है। सूत्रों की मानें तो दिग्विजय सिंह बड़े नेताओं की जनसभाओं और रोड-शो, रैली नहीं कराना चाहते। दिग्विजय ने पूरा फोकस बूथ पर कर रखा है। नामांकन फार्म दाखिल करने वाले दिन उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथ पर जाकर बैठक करने को कहा था। कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि दिग्विजय के यहां किसी बड़े नेता जैसे राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी की सभाएं नहीं होंगी।

सचिन पायलट आज उज्जैन - मंदसौर में रोड शो करेंगे देवास में चुनावी सभा में शामिल होंगे

भोपाल (नप्र)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट 25 अप्रैल को मध्यप्रदेश



आएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह उनका पहला एमपी दौरा होगा। पायलट गुर्जर बहुत सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में समर्थन मांगेंगे। वे देवास लोकसभा की सोनकच्छ विधानसभा के बालीन में जनसभा को संबोधित करेंगे। उज्जैन और मंदसौर में कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली में शामिल होंगे। सभा को भी संबोधित करेंगे। पीसीसी चीफ पटवारी, सचिन पायलट, अरुण यादव और विवेक तन्खा हेलिकॉप्टर से सुबह 9.30 बजे भोपाल से रवाना होकर सुबह 10.30 बजे उज्जैन पहुंचेंगे।

लोकसभा निर्वाचन-2024

‘प्रत्येक वोट जरूरी है’
विषय पर राज्य स्तरीय
स्लोगन प्रतियोगिता

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदान के बेहत्र प्रतिशत के लिए मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत ‘प्रत्येक वोट जरूरी है’ विषय पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही 10 प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के लिए एक राज्य स्तरीय चयन समिति का गठन भी किया गया है। चयन समिति के मूल्यांकन के बाद परिणाम घोषित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टि <https://mp.mygov.in/> पोर्टल पर भेजनी होगी। इसके साथ ही प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। प्रतिभागी गुरुवार 25 अप्रैल तक प्रविष्टि भेज सकेंगे।

विजयी प्रतिभागियों को यह मिलेगी पुरस्कार राशि
प्रथम पुरस्कार – ₹.51,000 एवं प्रमाण पत्र
द्वितीय पुरस्कार – ₹.21,000 एवं प्रमाण पत्र
तृतीय पुरस्कार – ₹.11,000 एवं प्रमाण पत्र
10 प्रतिभागियों को 5,100-5,100 रुपये का विशेष पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

- नियम-शर्तें**
- प्रतिभागी मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो।
 - एक प्रतिभागी की एक प्रविष्टि अधिकतम 25 से 30 शब्दों में हो।
 - प्रविष्टि मौलिक, अर्थपूर्ण एवं हिंदी भाषा में होना चाहिए।
 - प्रविष्टि में कोई उत्तेजक या आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग न हो।
 - प्रतिभागी प्रविष्टि के साथ अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी भी जरूर लिखें।
 - श्रेष्ठ प्रविष्टि का चयन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। चयन समिति का निर्णय अंतिम होगा।
 - प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल है।

ग्वालियर, चंबल के
लोकसभा क्षेत्रों की रिपोर्टिंग

**सीईओ ने अफसरों से पूछ, वोटिंग परसेंट बढ़ाने
क्या नए प्रयोग कर रहे, तैयारियों का किया रिव्यू**



भोपाल (नप्र)। प्रदेश में दूसरे चरण के लिए शुक्रवार को होने वाली वोटिंग के ठीक पहले चुनाव आयोग के निर्देश पर तीसरे चरण वाले लोकसभा क्षेत्रों की तैयारियों की समीक्षा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) कर रहे हैं। ग्वालियर में हो रही इस बैठक में ग्वालियर चंबल संभाग के जिलों और यहां के लोकसभा सीट की तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। सीईओ की बैठक में अधिकतम वोटिंग पर फोकस किया जा रहा है। इसके अलावा मतदान केंद्रों की तैयारियां और सुरक्षा व्यवस्था के साथ आचार संहिता के पालन की रिपोर्ट भी सीईओ कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों से ले रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन अपनी टीम के सदस्यों संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विवेक श्रोत्रिय, राज्य नोडल अधिकारी पुलिस अंशुमान सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ ग्वालियर में बैठकें ले रहे हैं। इस बैठक में सीईओ ने ग्वालियर, भिंड, मुरैना, गुना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ चुनावी तैयारियों पर चर्चा की। इस बैठक में सीईओ पुलिस अधीक्षकों को ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की रिपोर्ट ले रहे हैं जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान अशांति फैलाने की कोशिश कर सकते हैं। बैठक में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपराधिक तत्वों के खिलाफ अब तक की गई कार्रवाई का जिलावार डिटेल लिया गया। सीईओ राजन ने संवेदनशील और संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने और मतदाताओं को डराने, धमकाने या प्रलोभन देने की शिकायतों या सूचनाओं पर तत्काल और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

मध्यप्रदेश में 3 दिन बारिश,
ओले-आंधी का अलर्ट

25-26 अप्रैल को 35 जिले भीगेंगे, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर में भी बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन यानी 26 अप्रैल तक बारिश, आंधी और ओले का अलर्ट है। 25 और 26 अप्रैल को करीब 35 जिलों में मौसम बदला रहेगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत पूरा मालवा-निमाड़ भी भीगेगा। इससे पहले मंगलवार को छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में बारिश हुई। छिंदवाड़ा में ओले भी गिरे। इससे दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट भी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टुफ लाइन की वजह से प्रदेश में ऐसा सिस्टम है। लगातार 5 दिन से बारिश हो रही है। छठवें दिन बुधवार को भी मौसम ऐसा ही रहेगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 17 जिलों में बारिश होने का अनुमान है।

खरगोन-नरसिंहपुर सबसे गर्म रहे
बारिश के बीच मंगलवार को कई जिलों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। खरगोन में टेम्प्रेचर सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, नरसिंहपुर में पारा 41 डिग्री रहा। खंडवा, खजुराहो, नागवां और रीवा में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.9 डिग्री, इंदौर में 38.4 डिग्री, ग्वालियर में 39.5 डिग्री, जबलपुर में 38.3 डिग्री और उज्जैन में पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान



31.4 डिग्री रहा। सिवनी में 34.2 डिग्री और छिंदवाड़ा में 34.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

26 अप्रैल से एक और वेस्टर्न
डिस्टर्बेंस

भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि बीते 24 घंटे में कई जिलों में बारिश हुई है। पूर्वी-पश्चिमी दोनों ही हिस्सों में मौसम बदला रहा। वर्तमान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टुफ लाइन गुजर रही है। 26 अप्रैल को पश्चिमी भारत से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आ रहा है। इस कारण अगले कुछ दिन तक प्रदेश में बारिश जारी रहेगी।

37 दिन में 244 करोड़ से अधिक
मूल्य की विभिन्न सामग्री जल

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के बाद पुलिस एवं अन्य एम्प्लॉयमेंट एजेंसियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि 16 मार्च से 22 अप्रैल तक 19 करोड़ 54 लाख 85 हजार 81 रुपये नगद राशि सहित 244 करोड़ 55 लाख 10 हजार 762 रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जल की गयी है।

गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन-2019 में आदर्श आचरण संहिता के दौरान 85 करोड़ 12 लाख रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जल की गयी थीं। लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचरण संहिता अवधि में मात्र 37 दिन में ही गत लोकसभा निर्वाचन की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक मूल्य की विभिन्न अवॉइज्ड सामग्री की जल्ती की जा चुकी हैं। 22 अप्रैल तक 22 लाख 72 हजार 657 लीटर से अधिक मदिरा भी जल की गयी है, जिसका मूल्य 33 करोड़ 77 लाख 34 हजार 911 रुपये है। इसी तरह 22 करोड़ 23 लाख 46 हजार 953 रुपये मूल्य के 16 हजार 715 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स और 11 करोड़ 59 लाख 64 हजार 619 रुपये मूल्य की 2 हजार 144 किलोग्राम से अधिक कीमती धातुएँ भी जल की गई हैं।

नेपाल-बांग्लादेश बॉर्डर पर मिली
जबलपुर की नाबालिग बेटी की लोकेशन

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में पिता और 8 साल के भाई की हत्या की आरोपी नाबालिग लड़की अपने बॉयफ्रेंड के साथ विदेश भागने की फिराक में है। पता चला है कि नाबालिग और उसके बॉयफ्रेंड मुकुल सिंह के मोबाइल बांग्लादेश और नेपाल की बॉर्डर पर एक्टिवेट हुए थे। दोनों देशों की सीमा पर पुलिस टीम तैनात कर दी गई है। यह भी पता चला है कि आरोपी ने 4 दिन में अकाउंट से सवा लाख रुपए निकाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के खाते सीज करा दिए हैं।

वारदात के 40 दिन बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर हैं। 5 राज्यों मध्यप्रदेश, कर्नाटक, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की पुलिस आरोपियों के पीछे लगी है। 15 मार्च 2024 को रेलकर्मी राजकुमार और

भोपाल में पति ने पत्नी का अश्लील वीडियो वायरल किया
महिला की शिकायत पर पति, सास और देवर के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में रहने वाली युवती की जिस लड़के से शादी होने वाली थी। उसने वीडियो कॉल पर बात के दौरान युवती का अश्लील वीडियो कैप्चर कर लिया। चूँकि यह शादी घर वालों के दबाव के कारण हो रही थी इसलिए युवती शादी से पहले ही अपने प्रेमी के साथ चली गई तथा दूसरे दिन उसने प्रेमी से शादी भी कर ली।

इधर शादी की बात टूटने से बिफरे युवक ने कैप्चर किया हुआ अश्लील वीडियो पति को भेज दिया। पति ने अपनी प्रेमिका से पत्नी बनी युवती का वीडियो वायरल कर दिया। इसके बाद युवती ने अपने ही पति देवर सास के खिलाफ शिकायत कर दी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए ऐशबाग पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 19 वर्षीय युवती ऐशबाग इलाके में रहती है। घर वालों ने पिछले दिनों उसकी शादी एक युवक से तय कर दी थी। जबकि युवती किसी दूसरे युवक से प्रेम करती थी। परिवार के दबाव में युवती परिजनों द्वारा बताए गए युवक से बात करने लगी लेकिन उसे शादी अपने प्रेमी से ही करनी थी। वीडियो काल पर बात करते समय युवक ने युवती का अश्लील वीडियो कैप्चर कर लिया।

शादी के ठीक पहले घर से चली
गई थी युवती

शादी से ठीक पहले युवती अपने प्रेमी के साथ चली गई। दूसरे दिन जब दोनों लौटे तो दोनों के घर वालों रजामंदी से शादी कर दी। शादी के बावजूद पति उसे अपने साथ

नहीं ले गया। परिवार वाले भी बहू को ले जाने में आनाकानी करते रहे।

मंगतर ने पति को सेंड की थी
अश्लील वीडियो

युवती की पहले जिस लड़के से शादी होने वाली थी उसने बदला लेने की नीयत से युवती का कैप्चर किया हुआ अश्लील वीडियो उसने युवती के पति को भेज दी। पति ने अपनी मां के मोबाइल से वही वीडियो अपनी ही पत्नी के मोबाइल पर भेज दिया। इसके बाद युवती ने थाने में जाकर पति, देवर व सास के खिलाफ शिकायत कर दी। पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भोपाल के 10 हजार कर्मचारी सीखेंगे चुनाव की एबीसीडी

लोकसभा चुनाव की दूसरी ट्रेनिंग 25 अप्रैल से, ईवीएम का डेमो, परीक्षा भी होगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के 10 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को 25 से 30 अप्रैल तक लोकसभा चुनाव की दूसरी ट्रेनिंग दी जाएगी। 7 सेंटर्स पर वे ईवीएम, मॉक पोल, वोटिंग, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक की एबीसीडी सीखेंगे। ट्रेनिंग में उन्होंने क्या सीखा? इसका भी वे एग्जाम भी देंगे। परीक्षा में फेल होने वाले कर्मचारी को अगले दिन फिर से ट्रेनिंग दी जाएगी। पी-2 और पी-3 लेवल के कर्मचारियों की यह फाइनल ट्रेनिंग होगी।

भोपाल के कुल 2034 मतदान केंद्रों पर 7 मई को वोटिंग होगी। इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इसलिए उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी



ट्रेनिंग 25 अप्रैल से शुरू होगी। जिसमें 10 हजार 66 कर्मचारी ट्रेनिंग लेंगे। हर दिन एवरेज 1700 कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। कुल 72 मास्टर ट्रेनर्स उन्हें ट्रेनिंग देंगे। इनमें ईवीएम मास्टर ट्रेनर्स भी शामिल हैं।

सहायक नोडल अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया, 7 सेंटर्स पर पीओ, पी-1, पी-2 और पी-3 लेवल के कर्मचारियों को ट्रेनिंग मिलेगी। इनमें से पी-2 और पी-3 कर्मचारियों की यह फाइनल ट्रेनिंग होगी। इसलिए उन्हें गंभीरता से ट्रेनिंग लेने को कहा गया है। पीओ और पी-1 लेवल के करीब 4200 कर्मचारियों को मतदान से पहले 3-4 मई को फाइनल ट्रेनिंग दी जाएगी।

भोपाल लोकसभा में कुल 8 विधानसभा-बैरसिया, नरेला, गोविंदपुरा, हुजूर, भोपाल उत्तर,

भोपाल मध्य, भोपाल दक्षिण-पश्चिम और सीहोर शामिल हैं। भोपाल जिले की 7 विधानसभा के कर्मचारियों को यही पर ट्रेनिंग मिलेगी, जबकि सीहोर विधानसभा के कर्मचारियों को सीहोर में ही ट्रेनिंग दी जाएगी।

यह ट्रेनिंग दी जाएगी...

ईवीएम और वीवीपीएटी से मॉक पोल कैसे कराते हैं। कंट्रोल यूनिट पर प्रदर्शित परिणाम को वीवीपीएटी के मॉक पोल पर्चियों से मिलान करें। मॉकपोल के परिणाम को सीयू से क्लियर करना और वीवीपीएटी ड्रॉप बॉक्स से मॉल पोल को पर्चियों से हटाना। वीवीपीएटी मॉक पोल पेपर पर्चियों के पुष्ट भाग पर स्ट्याम्प लगाकर काले लिफाफे को गुलाबी पेपर मुद्रा से मुहरबंद करना।



राजनीति

बादल सरोज

लेखक लोकजतन के संपादक हैं।



सूरत में जो हादसा हुआ है वह किसी भी सभ्य समाज और परिपक्व लोकतंत्र पर एक धक्का है - इसलिए यह सिर्फ सूरत का हादसा नहीं है। जैसा कि अब तक लगभग सब जान चुके हैं कि इस संसदीय क्षेत्र के चुनाव अधिकारी, जो आम तौर से कलेक्टर होता है, ने 18वीं लोकसभा के लिए होने वाले चुनाव में सूरत संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया है। यह काम जिस तरह से किया गया है वह जनादेश की चोरी से शुरू हुई यात्रा के लोकतंत्र के अपहरण से होते हुए मताधिकार की लूट की खतरनाक स्थिति पहुंच जाने के संकेत देता है ।

जैसा सूरत में हुआ वैसे निर्विरोध निर्वाचन के लिए जरूरी होता है कि सिर्फ एक प्रत्याशी बचे - उसके सामने कोई न हो। अब ऐसा अपने आप तो होने से रहा। लिहाजा सबसे पहले तो उनके विरुद्ध इंडिया गठबंधन के साझे उम्मीदवार। कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भानी और उनके डमी उम्मीदवार सुरेश पाडसाला का नामांकन रद्द करवाया गया उसके बाद बाकी बसपा और 3 छोटी पार्टियों के उम्मीदवारों को 'बिठवाया' गया और इस तरह भाजपा के मुकेश भाई दलाल को जितवाया गया। यह सब करवाया, बिठवाया और जितवाया गया जैसे क्रियापदों का इस्तेमाल करने की वजह समझनी है तो इसकी पूरी क्रोनोलोजी देखनी होगी। संक्षेप में यह इस प्रकार है।

इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार और उनके डमी प्रत्याशी ने अपने नामांकन दाखिल किये। जब उनकी जांच 'स्कूटिनी' का समय आया तो पता चला कि उन दोनों के ही चारों प्रस्तावक सिर्फ 'गायब' ही नहीं हो चुके हैं, बल्कि उन चारों प्रस्तावकों के शपथ पत्र भाजपा उम्मीदवार की तरफ से निर्वाचन अधिकारी को भी प्रस्तुत कराये जा चुके हैं जिनमें उन्होंने दावा किया है कि प्रस्तावक के रूप में किये गए हस्ताक्षर उनके नहीं हैं। इस आधार पर कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुम्भानी और उनके वैकल्पिक प्रत्याशी सुरेश पाडसाला के नामांकन खारिज कर दिए गए। हालांकि अब यह भी

र से निकलने से पहले और कुछ याद रहे न रहे लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि आज शहर के अवरोध क्या-क्या है। अपना शहर अवरोधों पर ही टिका है। प्रतिरोध यहां शून्य है इसलिए अवरोध निरंतर बढ़ रहे हैं। अवरोधों के कारणों पर कोई विचार नहीं करता, बल्कि अवरोधों से बचने के लिए घर से निकलते समय यह पता कर लेता है कि आज के अवरोध क्या-क्या हैं? तो आज के अवरोधों की तरफ हम भी एक नजर डालें और अपने दिन की शुरुआत करें।

आज फोरलेन पर राजू भिया ने समाज सेवा करने के लिए कल रात से 25 बाय 25 का एक तंबू गाड़ दिया है। यहां पर आज रात को भजन कीर्तन किए जाएंगे और कल दिन में भंडारा होगा। लिहाजा दो दिन यह रोड बंद रहेगी। राजू भिया से किसी ने पूछ लिया, 'पूरी सड़क रोक दी है । इतना ट्रैफिक यहां रहता है। इसकी परमिशन ली क्या ?' राजू भिया ने गर्जते हुए कहा, 'समाज सेवा के लिए कोई परमिशन की जरूरत नहीं होती है। यह काम तो समाज का भला करने के लिए कर रहे हैं। लोगों का क्या है, एक दिन दूसरी तरफ से निकल जाएंगे। उधर चंद कबाड़ी ने लंबी गली में अपना पूरा कबाड़ा बिखेर कर रखा है । यह उसका हर दूसरे दिन का काम है, इसलिए लोग उस तरफ आने-जाने से बचने लगे हैं । चंदू कबाड़ी का कहना है, 'शहर का कबाड़ी ही इतना है, मैं क्या करू? दुकान में सारा कबाड़ी नहीं आ सकता। अब शहर का कबाड़ी शहर की ही सड़क पर पड़ा है तो किसी का क्या जाता है?' चंदू का बस चले तो सारे शहर की सड़कों पर कबाड़ी

चण्डीगढ़ से सूरत वया खजुराहो का राजनीतिक संदेश

तथ्य भी सामने आ चुका है कि भाजपा का मैनेजमेंट सिर्फ प्रस्तावकों भर के लिए नहीं था, स्वयं नीलेश कुम्भानी और उनके वैकल्पिक प्रत्याशी भी मैनेज किये जा चुके थे। कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा बजाय पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अपने करीबी रिश्तेदारों को ही प्रस्तावक बनाए जाने और इस काण्ड के बाद से खुद भी लापता हो जाने से साफ़ हो जाता है कि सूरत के



18 लाख मतदाताओं के साथ विश्वासघात की यह पटकथा काफी पहले लिखी जा चुकी थी। बहरहाल मैदान अभी भी साफ़ नहीं था। अभी भी 8 उम्मीदवार बाकी बचे थे, जिनमें से एक बहुजन समाज पार्टी के प्यारेलाल भारती भी थे। कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन अस्वीकार किये जाने की खबर मिलते ही, बदले हुए हालात में, इंडिया गठबंधन की

तरफ से तुरंत बीएसपी प्रत्याशी के समर्थन की घोषणा कर दी गयी। आम आदमी पार्टी ने इसका सार्वजनिक एलान भी कर दिया। तमाम तरह की आशंका को देखते हुए बसपा ने तुरंत अपने प्रत्याशी को भूमित्त करके वडोदरा में एक जगह पहुंचा दिया। जब भाजपा इस प्रत्याशी को नहीं ढूंढ पाई तो गुजरात पुलिस की क्राइम ब्रांच को इस काम पर लगाया गया और सुबह

4 बजे तक वडोदरा के उस फार्म हाउस को घेरा जा चुका था जहां बसपा उम्मीदवार ने शरण ली हुई थी। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने फौरन इसकी जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी सहित पुलिस और प्रशासन को दी। मगर अंततः वही हुआ जो किया जाना था, नाम वापसी का समय खत्म होने से ठीक पहले प्यारेलाल भारती कलेक्टर के सामने हाजिर करवाकर उनका भी नामांकन वापस करवा दिया गया।

अब बाकी बचे 7, जिनमें लोग पार्टी के शोएब शेख, सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्टी के अब्दुल हमीद खान, ग्लोबल रिपब्लिकन पार्टी के जयेश मेवाड़ा और तीन निर्दलीय भारत प्रजापति, अजीत उमट और बैरैया रमेश; समय निकलने के पहले उनकी भी वापसी करवा दी गयी। और इस तरह सूरत यह बनी कि बिना मतपत्र छपे ही गुजरात के सूरत को सांसद के रूप में कोई मुकेश दलाल में मिल गए।

वक्रोक्ति

आशीष दशोत्तर

लेखक व्यंग्यकार हैं।



घर से निकलने से पहले और कुछ याद रहे न रहे लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि आज शहर के अवरोध क्या-क्या है। अपना शहर अवरोधों पर ही टिका है। प्रतिरोध यहां शून्य है इसलिए अवरोध निरंतर बढ़ रहे हैं। अवरोधों के कारणों पर कोई विचार नहीं करता, बल्कि अवरोधों से बचने के लिए घर से निकलते समय यह पता कर लेता है कि आज के अवरोध क्या-क्या हैं? तो आज के अवरोधों की तरफ हम भी एक नजर डालें और अपने दिन की शुरुआत करें।

आज फोरलेन पर राजू भिया ने समाज सेवा करने के लिए कल रात से 25 बाय 25 का एक तंबू गाड़ दिया है। यहां पर आज रात को भजन कीर्तन किए जाएंगे और कल दिन में भंडारा होगा। लिहाजा दो दिन यह रोड बंद रहेगी। राजू भिया से किसी ने पूछ लिया, 'पूरी सड़क रोक दी है । इतना ट्रैफिक यहां रहता है। इसकी परमिशन ली क्या ?' राजू भिया ने गर्जते हुए कहा, 'समाज सेवा के लिए कोई परमिशन की जरूरत नहीं होती है। यह काम तो समाज का भला करने के लिए कर रहे हैं। लोगों का क्या है, एक दिन दूसरी तरफ से निकल जाएंगे। उधर चंद कबाड़ी ने लंबी गली में अपना पूरा कबाड़ा बिखेर कर रखा है । यह उसका हर दूसरे दिन का काम है, इसलिए लोग उस तरफ आने-जाने से बचने लगे हैं । चंदू कबाड़ी का कहना है, 'शहर का कबाड़ी ही इतना है, मैं क्या करू? दुकान में सारा कबाड़ी नहीं आ सकता। अब शहर का कबाड़ी शहर की ही सड़क पर पड़ा है तो किसी का क्या जाता है?' चंदू का बस चले तो सारे शहर की सड़कों पर कबाड़ी

अवरोधों पर टिका आत्मनिर्भर शहर

बाजार लगा दे।

यहां शर्मा जी के घर की छत भराई की रस्म चल रही है। यह अपने शहर की बहुत



के लिए आज पूरी सड़क रोक ली गई है। इस तरफ रहने वाले नगर पालिका के कुछ अधिकारी भी इस रुकी सड़क को देखते हुए

आपत्ति ली। उनका कहना था कि यहां प्याऊ लगाने से तो दुकानों के आगे अवरोध होगा, इसलिए पुराने चौक के कोने को चुना गया। यहां पर किसी की दुकान प्रभावित नहीं होगी। यह और बात है कि इससे पुराने चौक का आधे से अधिक रास्ता दब जाएगा। वाहन नहीं निकल पाएंगे, लेकिन कोई बात नहीं । प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा धर्म और भला क्या है? इस धर्म के लिए लोग थोड़ा अधर्म सह भी लें तो क्या फर्क पड़ता है ? यह प्याऊ कब तक स्थापित रहेगी, कहां नहीं जा सकता , क्योंकि शहर में इस तरह पूर्व के वर्षों में स्थापित प्याऊ अब तक हटाई नहीं जा सकी है।

सिटी टू लेन पर वाहिद भाई ने अपनी बेटी के विवाह समारोह के लिए बड़ा सा तंबू तान दिया है। विवाह की सारी रस्में यहीं होंगी। विवाह समारोह दस दिन तक चलेगा। तब तक यह तंबू इसी तरह लगा रहने की उम्मीद है। इस कारण टू लेन दस दिनों के लिए वन लेने में तब्दील हो जाएगा, और यह तय है कि इन दस दिनों में किसी भी जिम्मेदार का ध्यान इस तरफ नहीं पड़ेगा।

तो इतने सारे हैं आज के अवरोध। नागरिक इन अवरोधों को ध्यान में रखते हुए अपने दिन की शुरुआत करें। वैसे नागरिकों का पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापारी संघ द्वारा बहुत बड़ी प्याऊ स्थापित की जा रही है। पहले यह चर्चा थी कि यह प्याऊ व्यापारी मोहल्ले में ही स्थापित की जाएगी, लेकिन सभी व्यापारियों ने इस पर

आम चुनावों के बीच कटाक्ष-क्रांति

आम चुनावों के बीच लोग कटाक्ष-क्रांति की ओर अग्रसर हैं। वे अपने हाथों में मोबाइल फोन की बैटरी की मशाल जलाकर की-बोर्ड पर दिन-रात अपनी अंगुलियां नचा रहे हैं। झूठी बातों, कुत्कों और गालियों का जुलूस निकाल रहे हैं। इस कटाक्ष-क्रांति में इतनी प्रूफ मिस्टेक है कि समझ नहीं आता, लोगों के मन में क्या भरा है? वे अन्याय के खिलाफ़



द्रष्टिकोण

ध्रुव श्रुवल

लेखक साहित्यकार हैं।

बोलने के लिए घर से बाहर नहीं निकल रहे। वे तो बस घर बैठे ही एक-दूसरे पर कटाक्ष कर रहे हैं। हर कोई किसी न किसी अन्याय के पक्ष में जयकारे लगा रहा है। वह जिस अन्याय सेबंध गया है उसी को न्याय निरूपित करने में जीवन गंवा रहा है।

अपने-अपने अन्याय के पक्ष में दूसरों के खिलाफ़ मोबाइल के चमकते स्क्रीन पर कटाक्ष-क्रांति हो रही है। शायद लोग यह विवेक करना ही भूलते जा रहे हैं कि न्याय किसे कहते हैं। बस किसी तरह जीवन कट जाये, यही फूल उनके जीवन में रोज़ खिलता है, मुझ्झाता है। यही हाल उन राजनीतिक दलों का है। वे दिन गिनते हैं कि कितने दिन राज कर लिया। उनके प्रवक्ता मीडिया चैनल के स्क्रीन पर छोटे-छोटे चौखटों में एंकर सुंदरी की अंगुलियों पर नाचते-से लगते हैं। वे अपने दलों और उनके दादे-परदादों के अन्याय पर

पुस्तक चर्चा

राग तैलंग

समीक्षक



मुझे लगता है कि कुछ किताबें पवित्र होने की प्रक्रिया के लिए ही तैयार की जाती हैं। इनका पता सिर्फ उन्हीं विशिष्ट लोगों को होता है जो पवित्र मनुष्यभूमि से आए हुए होते हैं और जो दैवीय दायित्व की समझ लेकर अपने होने की भूमि को भी पवित्र बनाते चलते हैं। ऐसे मिस्टिक और वैल्यू ऑरिएन्टेड व्यक्तित्व क्या सचमुच होते भी हैं या ऐसी भी कुछ किताबें होती हैं जो साबुन के जैसा काम भी करती हों। क्या ऐसा नहीं लगता कि यह सब एक रहस्यवाद से संबंधित संवाद भर है। यदि आप संगीत के वायरलेस पक्ष यानी आनुभूतिक सौन्दर्यावलोकन की दुनिया में कोयल की तरह उषा-संध्याकाल में मौजमस्ती में प्रवेश कर अंत में अपनी बस्ती में अलससुबह किसी पेड़ पर एक मौसम के आगमन को स्वर देने की इच्छा रखते हैं तो एक बिरली किताब और उसके बारे में यहां लिखे जा रहे अबूबु से लगाते कुछ वाक्यांश आपकी नज़र से यहां गुजरने को बेताब हैं।

आज हम ऐसी ही एक दुर्लभ श्रेणी की किताब 'राग-कथा' की बातें करेंगे और समझेंगे कि किताबें हमें अपने-आपको पढ़वाने के बाद हमारे साथ ऐसा क्या कर जाती हैं कि जिसके बाद लगने लगता है कि ये जीवन मामूली तो नहीं ही है,इसके हमें मिलने के पीछे कोई न कोई महान उद्देश्य जरूर है। शहरी जीवनशैली के आदी हम भूल जाते हैं कि हमारे अंदर सदा से संप्रोषित एक औषध स्वरूपी वन हमारे नितान्त अंतर्मन में भी वास करता है जिसमें गुंजायमान स्वर लहरियां गाहे-बागाहे हमें अपनी और खींचती रहती हैं। प्रकृति की यह पुकार शब्दों में आत्मा के

राग-कथा-सुर तरीं हो जाएं तो बंदा सितारा हो जाए

अधिवास यानी अध्यात्म या रूह या अशरीरी कहलाती है। यह नायाब किताब 'राग-कथा' प्रख्यात चिंतक, मनोविश्लेषण कर्ता और सलाहकार श्री वासुदेव मूर्ति की अंग्रेजी पुस्तक का भावानुवाद है,इसके पन्नों पर कई बेमिसाल इशारे श्री वासुदेव मूर्ति और मूल किताब के बहाने अनुवादक श्वेताम्बरा कर जाती हैं। मसलन मनुष्य में चेतना की कई परतों के नीचे दर्बी पुरा स्मृतियां किस तरह उभार पाकर ठीक परिस्थितियों में सामने आती हैं? अंतर्भूत ज्ञान का उद्गम और मानव शरीर के भौतिक संघर्ष का क्या कोई अंतर्संबंध है? जिज्ञासा और कौतूहल से भरे संगीत से संबद्ध सात स्तरों के प्रश्न पाठक को धीरे-धीरे साथ ले जाते हुए चेतना से जोड़े वाले उस बिंदु पर लाकर छोड़ते हैं,जहां माया है न मोह की दुनिया। अगर है तो बस एक सिद्धांत यानी शांति और मौन का संगीत। पुस्तक की रवानगी में आध्यात्मिक रस का पुट होने से हर पल अलौकिक तल में होने का अहसास बना हुआ चलता है। यह इन्हेरेंट आध्यात्मिकता मूल कृति का केन्द्रीय भाव है,इसे समझा जा सकता है। शाश्वत सत्यार्थ प्रकाश तक पहुंचने का मार्ग आध्यात्मिक होने के रास्ते से ही जाता है,यह वह ईंधन है जो एक पाठक के भीतर ज्योत जलाने के लिए और साथ ही बाती भिगोने के काम भी आता है। ऐसे प्रकाश की ओट में तैयार रचना से रचनाकार के विचार-व्यक्तित्व में भी रहस्यदर्शिता आ जाती है जिसके लिए आज का फैशनेबल शब्द मिस्टिसिज्म है। मिस्टिसिज्म का जो अर्थ मैं लेता हूं वह कुछ ऐसा है कि वह जिसे हर शै में सार्थकता दिखाई दे,शाश्वत दिखाई है। यह शब्द एक संपूर्ण चैतन्य व्यक्तित्व के अस्तित्व में तैयार हो जाने का द्योतक भी है। 'राग-कथा' पुस्तक की अनुवादक श्वेताम्बरा से एक

पुस्तक-चर्चा के कार्यक्रम में परिचय हुआ। किताबों, शब्दों, अक्षरों, सात सूरों-वर्णक्रम के बहाने हर बार की तरह उस आयोजन में भी मैं ऊर्जा पर अपनी बात फोकस करना चाहता था। उस महफिल में भी मैं कहना चाहता था कि जिस ऊर्जा की सब आकांक्षा करते हैं,चाहत रखते हैं वह मिले-जुले रूप में प्रकाश और ध्वनि ही है। दोनों ऊर्जाओं का स्वाद एक-सा ही है। एक-सा आनंद दोनों में है। आपने एक आवाज भर को अगर समझ लिया तब तो फिर आपने समूची दुनिया की आवाज को,उसकी पसंद-नापसंद को समझ लिया। जैसे एक आत्मा को जान लेने भर से आप परमात्मा को भी जान लेते हैं वैसे ही तरंगों की मूल प्रकृति को जान लेने आप प्रकृति के रंगों को भी जानने लग जाते हैं। संगीत समग्रतः एक दुनिया की एक आत्मा की आवाज है,इसमें विचरता कलाकार दुनिया के सिर का ताज है। कलाकार भी वही है जिसके पास अपनी खुद की आलंकारिक माला रूप में वर्णन पढ़कर 'वाह उस्ताद! वाह!' कह उठने को मन कहता है। किताब के अन्य विभिन्न अध्यायों में पाठक जब आध्यात्मिक लहजे में ईश्वरीय संवादों से रूबरू होता है तब उसे भान ही नहीं होता

कि वह किसी कागज के पत्रे से मुख़ाबित है या वह इबादत नहीं कर रहा है। बहरहाल वासुदेव मूर्ति जी और विरूपी श्वेताम्बरा ऐसी सच्ची और दिलचस्प अभिव्यक्तियों वाली पक्तियों के लिए याद रह जाते हैं,आईए देखते हैं। एक-में सोचता हूं और विलाप करता हूं कि ईश्वर के लिए हमारी खोज एक प्रश्न से शुरू होती है,लगभग एक शिकायत से। दो-एक शिथिल मनोरम एकताल ने समय को बिना किसी जल्दबाजी के चिन्हित किया। फिजिकल से इथरिक फिर एस्ट्रल फिर मेंटल फिर स्पिरितुअल मोड में जाकर 'राग-कथा' को पढ़ना फिर उस पर यह सब लिखना एक अलग तरह का प्रयोग रहा जिसे मुंबई के मेरे मित्रवर व सितारवादक शशिकांत पाठक ने संभव किया,इस विशेष लेखकीय मिशन हेतु मुझे मुंबई बुलाया और समुद्र तट के इलाके में रहने की व्यवस्था कर इस लेख के प्रकटीकरण के लिए सारा इंतज़ाम किया। मुझे इस दौरान ऐसा लगता रहा कि जैसे मैं डायमंड की पालिश प्रक्रिया के लिए नियुक्त किया गया हूं।

एक लाइब्रेरियन के रूप में रोजी-रोटी की शुरुआत करके और अंततः पाठक ज्यादा लेखक कम के रूप कह सकता हूं कि यह किताब पाठक को तब्दील कर सकने का कीमिया अपने भीतर रखती है। इस किताब में से हर उस शक्ल को गुजरना चाहिए जो संगीत की मालूम-नामालूम गलियों का दौरा करता फिरता है। दुनिया की चुनिंदि बेहतरीन किताबों और चंद दैवीय लेखकों का सांक्षिध्य पाकर अब कहने का इतना साहस तो आ ही गया है कि जिस वैचारिकी के तहत इस किताब को भावनादित कर संगीत में धुनी रमाए लोगों की धुन के नाद को क्लम में थामा गया है अगर इसे कोई समझदार,सुधी पाठक नहीं समझ पाए तो इसे फिर स्याही पर ही लानत समझा जाए।

दुनिया आदमियों को पढ़कर पहचानने की लाइब्रेरी है। यहां आदमी नाम की किताब निःशुल्क उपलब्ध है,लेकिन कुछ अपवाद भी हैं। जैसे दुनिया की बेहतरीन पुस्तकें सबकी पहुंच में नहीं वैसे ही बेहतरीन आदमी भी सबको मिल पाना सबके-सभीब में नहीं। दुनिया की सबसे मूल्यवान चीजें क्या हैं यह बहुतों के लिए नामालूम विषय है। पेशे से चिकित्सक श्वेताम्बरा की यह रेअररेस्ट ऑफ रेअर कृति अपनी लेखकीय महत्वाकांक्षा को सीमितता में रखते हुए प्रख्यात वायलिन घराने के आनुभविक व इंटरेशनल अंतर-सूत्रों को सामने लाने का स्तुतनीय प्रयास है। इस कृति को पढ़कर बेशक कह जा सकता है कि संगीत ही भौतिकता की वह चौहद्दी है जहां से ट्रांस के,अलौकिक अनुभूति के द्वार मालूम पड़ते हैं,इसके पहले का सब कुछ तमनाओं का संसार है। यहां आगे हमारा असली में मिलता है।

मध्यप्रदेश के कला,संगीत,संस्कृति के संरक्षकों को इस नायाब, अप्रतिम कृति के साथ दृष्टि-न्याय की सुध आएगी ऐसी ईश्वर से कामना करनी चाहिए। अगर आप संगीत से थोड़े भी वाबस्ता हैं और आपने आपने जीवन से आश्चर्यों को अब तक बेदखल नहीं कर दिया है तो 'राग-कथा' आपके हाथों में होना मांगती है। 'राग-कथा' प्रख्यात चिंतक,मनोविश्लेषण कर्ता और सलाहकार श्री वासुदेव मूर्ति की यह एक किताब कुछ अलग तरह का आस्वाद पाठकों को देना चाहती है तो वह ईजाद की श्रेणी में दर्ज होना चाहिए।

पुस्तक - राग-कथा लेखक- वासुदेव मूर्ति अनुवादक - श्वेताम्बरा प्रकाशक-सूर्य प्रकाशन मंदिर,बीकानेर मूल्य- 450/-



श्रीविनायकम स्कूल के यश पवार ने स्टेट मेरिट लिस्ट में प्राप्त किया दसवां स्थान



आर्मी आफिसर बनना चाहते हैं यश पवार

संजय द्विवेदी, बैतूल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम आज बुधवार को घोषित किए गए। जिसमें जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान श्री विनायकम स्कूल बैतूल के छात्र यश पवार ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा 12वीं में स्टेट मेरिट

लिस्ट में दसवां स्थान सुनिश्चित किया है। इस शानदार परिणाम से परिवार एवं विद्यालय सहित पूरे जिले में हर्ष की लहर व्याप्त है।

यश की इस उपलब्धि पर बैतूलबाजार निवासी परिवार सहित विद्यालय के संचालक संजय राठौर, श्री खासदेव सर, प्राचार्य एवं सभी गुरुजनों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि राज्य प्रावीण्य सूची में बैतूल जिले से एकमात्र विद्यार्थी श्रीविनायकम स्कूल से यश पवार हैं। इससे पूरे राज्य में बैतूल जिले का गौरव बढ़ा है।

बैतूलबाजार के यश के पिता कमलेश

पवार एक किसान हैं साथ ही टोल कर्मी भी हैं।

आज यश की इस कामयाबी ने माता जयश्री पिता कमलेश पवार का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। माता पिता दोनों ही बहुत खुश हैं। उन्होंने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। यश पवार ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय स्कूल के टीचर्स और माता पिता को दिया है। यश ने बताया कि वह सेना में जाना चाहते हैं, स्कूल में जो पढ़ाया जाता था उसका डटकर रिवीजन करता था और रोजाना 6 से 7 घंटे की पढ़ाई करता था, उसमें जो भी डाउट होते थे, तो यूट्यूब पर देखकर क्लियर किया करता था या अपने टीचर

से पूछता था।

अपने पुत्र को इस कामयाबी पर पिता कमलेश पवार का कहना है कि उन्हें बहुत खुशी हुई है पर कहीं थोड़ी कसर रह गई, उन्होंने इससे ज्यादा की उम्मीद की थी। अपने बेटे की आर्मी में जाने की खाहिश की वे सराहना करते हैं और वो खुद भी चाहते हैं की उनका बेटा आर्मी में जाकर देश सेवा करें और देश का नाम रोशन करे। यश की माता जयश्री पवार ने अपने बेटे यश की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यश खुद से पढ़ाई करता था। घर पर सुबह 4 बजे से उठकर पढ़ता था, स्कूल स्टाफ ने भी यश का बहुत ख्याल रखा है।

मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने प्रेरित करेंगे नपा बैतूल के कर्मी

बैतूल। जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं स्वीप नोडल अधिकारी अश्वत जैन के निर्देशों के अनुपालन में लोकसभा निर्वाचन 2024 में अधिक से अधिक मतदान किए जाने को लेकर बुधवार को नगर पालिका परिषद बैतूल में अधिकारी, कर्मचारियों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वीप अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के आयोजन पर चर्चा की गई।

नागरिकों को जागरूक करेंगे। निकाय द्वारा प्रदान किये जाने वाले स्टिकर घरों पर चिपका कर तथा मार्कर पेन से घरों को चिन्हित करेंगे। सीएमओ ने बताया कि सबसे अधिक मतदान वाले तीन मतदान केन्द्रों को पुरस्कार दिया जाएगा।

साथ ही 10 मतदान केन्द्रों को सांत्वना पुरस्कार दिये जाने का निर्णय लिया गया है। इस



सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया ने बताया कि नगर पालिका परिषद के कर्मचारी शत-प्रतिशत मतदान किये जाने हेतु डोर टू डोर मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करेंगे तथा पहचान हेतु परिचय पत्र के अलावा 12 चिन्हित पहचान पत्र के संबंध में

अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नीरज धुवे, सहायक यंत्री विजय हुदर कार्यालय अधीक्षक, ब्रजगोपाल परते, राजस्व निरीक्षक, अखिल नीलकंठ राय, राजस्व उप निरीक्षक, शोभाराम वरकड़े सहायक वर्ग 01 एवं निकाय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 11 मई 2024 को

अध्यक्ष विधिक श्री प्राण ने मोबाइल वैन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना



बैतूल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं जिला न्यायाधीश डॉ.सुश्री महजबीन खान ने बताया कि लॉबित प्रकरणों के निपटारे के लिए अध्यक्ष एवं न्यायमूर्ति प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 11 मई 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विधिक प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राण द्वारा मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सचिव विधिक डॉ.महजबीन खान एवं अन्य समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से प्री लिटिगेशन की सुविधा के द्वारा दोनों पक्ष एफआईआर कराने अथवा किसी भी प्रकार की मुकदमे बाजी के पूर्व ही विधिक प्राधिकरण के माध्यम से अपने विवाद सुलझा सकते हैं।

प्री- लिटिगेशन प्रकरणों की डॉ. खान ने की समीक्षा

विधिक प्राधिकरण की सचिव एवं जिला न्यायाधीश डॉ. महजबीन खान ने कहा कि घरेलू हिंसा, दंपति विवाद, सिविल वादों के पीड़ित जिला विधिक प्राधिकरण के नामित एडवोकेट मीडिएटर की बेंच में आवेदन देकर त्वरित न्याय का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए कोई शुल्क देय नहीं है। पूरी तरह निःशुल्क इस सेवा का लाभ दोनों ही पक्ष को उठाना चाहिए। थाने एवं अदालत की भागदौड़ से मुक्ति के साथ त्वरित न्याय की भी गारंटी होती है। डॉ.खान प्री लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए बैंक मैनेजर, बीएसएनएल एवं नगर पालिका के अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रही थी।

विद्युत मंडल सारणी की कॉलोनी से खिड़की दरवाजे हो रहे लगातार चोरी

बैतूल। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी में कार्यरत कर्मचारियों के लिए ऊर्जा विभाग द्वारा आवास बनाए गए और यह आवास बहुत बड़ी संख्या में बनाए गए। विद्युत मंडल में कार्यरत कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के पश्चात उनसे कुछ महिनों में ही मंडल द्वारा आवास खाली करवा लिए जाते हैं और आवास खाली होते ही चोरों द्वारा उन आवासों में से खिड़की दरवाजे चोरी कर लिए जाते हैं इसके बाद उक्त आवास खंडहर में तब्दील हो जाता है उक्त घटनाक्रम के कारण सारनी नगर मे



कई कालोनियां या तो जमींदौज हो गई या तो खंडहर में तब्दील हो गई उसके बावजूद भी कॉलोनी के आवासों से दरवाजे चोरी होने का सिलसिला नहीं थम रहा कई जगह तो आवास में निवासरत कर्मचारी अगर कहीं छुट्टी पर गया है तो उन आवासों से भी दरवाजे चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। बीते एक सप्ताह में कर्मचारियों की कॉलोनी में खाली हुए पांच आवासों से दरवाजे एवं खिड़कियां चोरी हुए इसके बाद वह आवास खंडहर जैसे हो गए,नगर के बीचों-बीच दिनदहाड़े ऐसी चोरियां हो जाना समझ से परे हैं। कर्मचारियों की कॉलोनी की देखरेख एवं रखरखाव करने वाले सिविल विभाग के कार्यपालन अभियंता सुरेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि उक्त घटनाक्रम को लेकर थाना सारनी में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की गई की गई है।

ब्राह्मणवाड़ा में तेज हवाओं के साथ हुई मूसलाधार वर्षा ग्राम बरई में बिजली गिरने से तीन मवेशियों की मौत



बैतूल/मुलताई। बीते दो दिनों से क्षेत्र के मौसम में आय बदलाव ने एक बार फिर क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

बुधवार को ग्राम ब्राह्मणवाड़ा और उसके आसपास के ग्रामों में तेज आंधी तूफान के साथ हुई वर्षा ने अनेक वृक्षों को जड़ से उखाड़ फेंका, ब्राह्मणवाद के समीप स्थित आधार दर्शन से अधिक ग्रामों में जमकर आंधी और मुर्शिदाबाद वर्षा हुई जिसके चलते सब्जी की फसल पूरी तरीके से चौपट हो गई वही गेहूं की दावन के बाद खलीयान में रखा भूसा बर्बाद हो गया बता दे की ग्रामीण क्षेत्र में गेहूं की रावण के बाद निकलने वाला भूसा मवेशियों के लिए साल

भर उपयोग में आता है इस बे -मौसम बरसात ने भूसे को भारी नुकसान हुआ है जिससे किसानों को वर्ष भर भूसे की किलत से गुजरना पड़ेगा।

किसानों ने बताया कि क्षेत्र में 2 दिन से हो रही वर्षा के चलते खेत में लगी सब्जी की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी ओर ग्राम बरई में आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशियों की मौत हो गई। मुलताई क्षेत्र मे बीते दो दिनों से मौसम में आय बदलाव ने एक बार फिर क्षेत्र में कहर बरपाना प्रारंभ कर दिया है। ग्राम बरई में तेज आंधी तूफान और बारिश के साथ अचानक से बिजली गिरने के चलते एक

खेत में बंधे तीन मवेशियों की मौत होने की जानकारी मिल रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम बरई निवासी डेगुल पुत्र गेंदू कसारे के खेत में दो भैंस और एक गाय बंधी हुई थी।

अचानक से तेज आंधी तूफान के साथ बारिश होने और इस दौरान बिजली गिरने से तीनों की मौत हो गई। हालांकि गनीमत रही की इस समय खेत में कोई और मौजूद नहीं था। घटना के बाद इस संबंध में उन्होंने मुलताई पुलिस थाने पहुंचकर सूचना दी। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि अचानक से गिरी बिजली से तीनों मवेशियों की मौत हो गई है, वहीं बारिश से नुकसान भी पहुंचा है।

शराबी पुत्र ने पिता की कर दी हत्या, आरोपी पुत्र पुलिस की गिरफ्त में

बैतूल। शराबी पुत्र को समझाइश देना पिता को महंगा पड़ गया और गवां दी जान ऐसा ही एक मामला चिचोली थाना क्षेत्र से सामने आया है ग्राम कोडर में एक शराबी पुत्र ने अपने पिता को लकड़ी से पीटकर हत्या कर दी। 24 अप्रैल को थाना चिचोली में फरियादी मनोज वाडिवा ने शिकायत दर्ज कराई की मंगलवार की रात उसका पिता सालक राम वाडिवा उम्र 55 वर्ष बच्चों के साथ गांव में ही शायी में गया था और लौटकर 11 बजे घर आ गए थे। उसके बाद छोटा भाई मनोज रात्रि डेढ़ बजे घर आया और पिता को नींद से उठाकर झगड़ा करने लगा शराब पीने की बात को लेकर की तूने मुझे गांव में बदनाम कर दिया

है। आरोपी पुत्र मनोज ने घर में रखी एक लकड़ी से पिता की पिटाई शुरू कर दी तो पिता घर से निकलकर बाहर की ओर भागा जहां आरोपी ने और पिटाई की जिसमे पिता की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के दौरान मृतक का बड़ा लड़का जोकि फरियादी है वह गांव में लोगों को बुलाने गया था की उसका छोटा भाई पिता को पीट रहा है लेकिन जब तक गांव वाले आते तब तक उसके पिता की मौत हो चुकी थी। जिसके बाद उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई और चिचोली पुलिस धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

मैंसदेही के सुरक्षा गार्ड कर रहे सरकारी अस्पताल में इलाज,नेत्र सहायक एमबीबीएस डॉक्टर बन कर रहे ग्रामीणों का इलाज

बैतूल। जिले के सरकारी अस्पतालों के हालत बद से बदतर हैं आलम ये है कि करोड़ों की लागत वाले आलीशान अस्पतालों में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ होने के बावजूद सुरक्षा गार्ड गर्भवती महिलाओं का इलाज कर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहा है तो कहीं नेत्र सहायक गांव गांव घूमकर एमबीबीएस डॉक्टर की तरह मरीजों का बेधड़क इलाज कर उनकी जान से खिलवाड़ करने में लगे हुए हैं। बैतूल जिले से सामने आई दो तस्वीरों को देखने के बाद आप आसानी से समझ जाएंगे की सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जिम्मेदार अधिकारी कितने गंभीर है। मामला सामने आने के बाद जिम्मेदार जांच करवा कर कार्यवाही की बात कह रहे हैं।

पहला हैरान कर देने वाला मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही का है जन्हा अस्पताल में प्रायवेट कंपनी का सिक्योरिटी गार्ड बाला खंडाईत अस्पताल में इलाज करवाने आई गर्भवती महिलाओं का शूगर,बीपी चैक कर रहा है। ऐसा नहीं है की इस अस्पताल में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ पदस्थ नहीं है। बावजूद इसके गर्भवती महिलाओं के इलाज जैसे गंभीर मामले में इलाज कराने आई गर्भवती महिलाओं का

सिक्योरिटी गार्ड इलाज कर रहे हैं। बिना किसी प्रशिक्षण के यह सुरक्षागार्ड गर्भवती महिलाओं का चैकअप कर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहा है। सुरक्षागार्ड का गर्भवती



महिलाओं का चैकअप करते वीडियो भी सामने आया है।

दूसरा मामला झझर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सामने आया है। इस अस्पताल में नेत्र सहायक के पद पर पदस्थ मुकेश यादव बिना किसी डिग्री के गांव गांव में घूमकर ग्रामीण मरीजों का मोटी रकम लेकर सरकारी दवाएं मरीजों को दे रहा है। नेत्र सहायक किसी एमबीबीएस डॉक्टर की तरह वेथैफ होकर ग्रामीणों का इलाज करता है। हर मर्ज की दवा अपने बैग में लेकर झोलाझाप डॉक्टर ग्रामीणों से पैसे लेकर उनकी

जान से खिलवाड़ कर रहा है। नेत्र सहायक का ग्रामीणों का इलाज करते और पैसे लेकर सरकारी दवाएं देने का वीडियो भी ग्रामीणों ने बनाया है। इन दोनों मामलों के सामने आने के बाद सरकारी अस्पतालों की मॉनिटरिंग पर सवाल खड़े हुए हैं। जिस प्रकार गर्भवती महिलाओं और ग्रामीणों का इलाज किया जा रहा है और सरकारी दवाएं देकर पैसे वसूले जा रहे हैं इसे रोकने वाला कोई नहीं है। इन मामलों में मरीजों ने दवाियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। बैतूल के सीएमएचओ डॉ. रविकांत उईक से जब इन मामलों को लेकर चर्चा की गई तो उन्हें इनकी जानकारी ही नहीं थी। हमारे द्वारा बताए जाने पर वे टीम बनाकर दोनों मामलों की जांच करने की बात कह रहे हैं। देखा यह होगा की इतने गंभीर मामलों में अब क्या कार्यवाही होती है।

शिकायतकर्ता सचिन श्रीवास्तव जोकि अपने ही परजन को लेकर अस्पताल गए थे जहां उन्होंने देखा की अस्पताल का पियून गर्भवती महिलाओं का बीपी शुगर माप रहा था जोकि गलत है मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है इसकी जांच होना चाहिए और दवाियों पर कार्यवाही होना चाहिए।

स्व.अवनीश पाटणकर की स्मृति में ध्यान केन्द्र का शुभारंभ मानसिक दिव्यांग छात्र होंगे लाभान्वित



बैतूल। जय नारायण सर्वोदय विद्यालय परिसर 'घरोंदा' में स्व.अवनीश पाटणकर की स्मृति ध्यान केन्द्र प्रारंभ किया गया। संचालिका श्रीमती करुणा ताई देशमुख और श्रीमती हेमलता पाटणकर ने बताया कि इस ध्यान केन्द्र का इस आवासीय परिसर में रहने वाले मानसिक दिव्यांग छात्रों को और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी आयु वर्ग के लोगो के लिए भी ध्यान केन्द्र का लाभ मिलेगा।

ध्यान केन्द्र में लगे पिरामिड के नीचे ध्यान करने से तीन गुना अधिक लाभ मिलता है। ध्यान केन्द्र में ध्यान करने से दिमाग और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। ध्यान के शारीरिक आरोग्य, एकाग्रता, बुद्धि विकास, विचार क्षमता, आत्मविश्वास, कार्य क्षमता आदि अनेक लाभ हैं। ध्यान से आलस्य में कमी और सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। विशेषतः

मानसिक दिव्यांग विधार्थियों का बौद्धिक विकास व एकाग्रता से जीवन के सभी लक्ष्यों को हासिल करने में सहायता मिलती है। ध्यान केन्द्र की सभी सुविधाएं निःशुल्क है। ध्यान केन्द्र का शुभारंभ मैडिटेशनल गुरु विजेन्द्र पवार एवं श्रीमती वैशाली पवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम संस्था अध्यक्ष जगदीश प्रसाद लिहोरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन दीपक आम्बेकर ने व आभार हेमलता पाटणकर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सुनील हिरणी, पारस भोपते, प्रवेश कावरे, विजय जसूजा, बाबा माकोडे, श्रीमती सुनीता पंडित, विलास पाटील, श्रीमती नीता पाटील व जय नारायण सर्वोदय विद्यालय से दीपक आंबेकर, योगेश धुवारे, श्रीमती अर्चना आंबेकर, कमल देशमुख सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे



बैतूल। ग्राम साईंखेड़ा के सभी मन्दिर परिसर में हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा का पाठ सामुहिक किया गया एवं चैत उत्सव पर लोगो ने अपनी -अपनी मन्त्रत की नीम उतारने के लिए आस्था के प्रतीक गाढ़े को खींच कर अपनी मन्त्रत पूरी की इस बीच लोगो द्वारा लगाए गए जय श्रीराम के नारे से उत्साह का माहौल बना रहा।

इनका कहना -

इस तरह कोई भी गाई मरीजों का या गर्भवती महिलाओं का उपचार या बीपी शुगर नहीं माप सकता, जिसके लिए एक कमेटी गठित की गई है जो कि मामले की जांच करेगी।

- डॉ. रविकांत उईके, सीएमएचओ बैतूल

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता



लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

ए हले दौर के मतदान प्रतिशत में आई कमी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नए सिरे से अपने प्रचार की रणनीति बनाई है। वोटर को घर से मतदान केंद्र तक ले जाने का प्लान बनाया गया है। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता यह महसूस करते हैं कि बड़े पैमाने पर कांग्रेस से नेताओं के दल बदल से पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता हतोत्साहित हुआ है। इसी तरह की हाताशा विधानसभा चुनाव के पहले भी देखी गई थी। तब कार्यकर्ता को भरोसा दिलाया गया था कि उनका हक नहीं मारा जाएगा? लेकिन सीधी से लेकर दमोह तक टिकट ऐसे लोगों को मिले जिनकी पृष्ठभूमि मूल रूप से भाजपा की नहीं है। सतना के उम्मीदवार गणेश सिंह भी इनमें से एक हैं। गणेश सिंह जब से भाजपा में आए हैं किसी और कार्यकर्ता को सतना में लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला। उदयप्रताप सिंह गाडवारा से विधानसभा चुनाव नहीं जीते तो वे ही होशंगाबाद से फिर लोकसभा उम्मीदवार होते, यह भी कार्यकर्ता समझ रहा है। उदयप्रताप सिंह भी कांग्रेस से ही भाजपा में आए हैं। कार्यकर्ता के दिमाग में यह बात भी बैठ गई है कि पार्टी पर कुछ नेताओं का कब्जा हो गया है। टिकट भी इन नेताओं की पसंद ना पसंद के आधार पर तय हो रहे हैं। उदाहण के तौर पर ग्वालियर-चंबल संभाग की तीन लोकसभा सीट का जिक्र कार्यकर्ता कर रहा है। मुरैन, भिंड और ग्वालियर। तीनों स्थान पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के करीबियों को टिकट दिया गया। भोपाल-होशंगाबाद संभाग के सारे टिकट शिवराज सिंह चौहान के करीबियों को मिले हैं। छिंदवाड़ा का कार्यकर्ता भी बंटी साहू की उम्मीदवारी से नाराज था। इसी कारण अमित शाह को वहां रात्रि विश्राम कर नेताओं को चेतावनी देनी पड़ी थी। सीधी में सबसे कम मतदान हुआ है। यहां पार्टी के भीतर कई गुट सक्रिय हैं। इसका असर हार-जीत के अंतर पर पड़ना है। जिसके चलते कार्यकर्ता अपना भविष्य देख रहा है। भाजपा दूसरे चरण में कम मतदान के खतरे को कम करने के लिए चुनाव प्रचार को तीखा करती जा रही है। ताकि वोटर के भीतर उदासीनता का भाव खत्म हो। अभी हर लोकसभा क्षेत्र में स्थिति यह है कि वोटर चुनाव के मुद्दों पर रुचि ही प्रदर्शित नहीं कर रहा है। कारण, आग्रा तो मोदी ही का नारा है। भाजपा चुनाव पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर लड़ रही है। कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन की सियासत बिखरी हुई है। वह प्रचार में भी कमजोर दिखाई दे रही है। मजबूती से चुनाव लड़ रही भारतीय जनता पार्टी में कम मतदान प्रतिशत के बाद इंडिया शाईनिंग के नारे पर भाजपा नीत गठबंधन वर्ष 2004 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। उस वक्त प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। चुनाव में कांग्रेस ने लगभग आठ वर्ष बाद सत्ता में वापसी की थी। कांग्रेस नीत यूपीए गठबंधन दस साल सरकार में रहा। इस गठबंधन के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे। इन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के हवाले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिन पहले कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला था। उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह का नाम लिये बगैर कहा कि पहले जब इनकी सरकार थी, तब उन्होंने कहा था कि

देश की संपत्ति का पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठा कर किसको बांटेंगे, जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बांटेंगे, घुसपैठियों को बांटेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में संपत्ति का सर्वे करने की बात कही है। इसका मतलब सोना कितना है इसकी जांच की जाएगी, चांदी का हिसाब लगाया जाएगा। उन्होंने मंगल सूत्र का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस गठबंधन उसे छीनने की बात कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस बयान पर कांग्रेस का आक्रमण होना स्वाभाविक था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपना घोषणा पत्र पढ़ने के लिए प्रधानमंत्री से समय भी मांग लिया। विपक्षी गठबंधन ने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग से भी की है। चुनाव आयोग की अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन, अचानक चुनाव



में गर्मी जरूर आ गई है।

भवानी पर सख्ती, राम पर उदार

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी कई साल खड़े हो रहे हैं। खासतौर पर धर्म के इस्तेमाल पर चुनाव में किसी धर्म के विशेष के देवी-देवताओं का का जिक्र कर वोट मांगना अपराध की श्रेणी में आता है। चुनाव आयोग द्वारा शिवसेना उद्धव गुट को दिए नोटिस से भी यही जाहिर होता है कि देवी देवता के नाम का उपयोग नहीं किया जा सकता। आयोग ने रविवार को शिवसेना (उद्धव गुट) को नोटिस भेजकर कैप्टन सांग से ‘भवानी’ शब्द हटाने को कहा है। आयोग ने कहा कि यह शब्द हिंदू देवी से जुड़ा हुआ शब्द है। इलेक्शन में इस तरह के धार्मिक नारे का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आयोग के नोटिस पर उद्धव ठाकरे ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वे अपने थीम सांग से भवानी शब्द नहीं हटाएंगे। आयोग को जो कार्रवाई करनी है करे। उद्धव ने आगे कहा कि बीजेपी नेता कई बार धर्म के नाम पर वोट मांग चुके हैं, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई? कर्नाटक के चुनावी मंच से प्रधानमंत्री द्वारा बजरंग बली के नाम पर वोट मांगने के मामले में भी ठाकरे ने चुनाव आयोग को शिकायत की थी। लेकिन, आयोग ने इस शिकायत का कोई जवाब उन्हें नहीं भेजा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके रणनीतिकारों की कोशिश है कि हिंदी

सीईओ थे ने कहा, नेशनल ब्रॉडकास्ट ने अपने ऐतिहासिक प्लेगशिप लोगों को भगवा रंग में रंग दिया है। इसके पूर्व सीईओ के रूप में मैं इसके भगवाकरण को चिंता के साथ देख रहा हूं और महसूस कर रहा हूं - यह अब प्रसार भारती नहीं है, यह प्रचार (प्रचार) भारती है। इसके बाद भाजपा नेताओं के एक के बाद एक कई बयान आए। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यदि भगवा से आपत्ति है तो अपने झंडे से भगवा हटा दे।

उज्जैन के मुकाबले पर सभी की नजर

उज्जैन लोकसभा की सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित सीट है। इस सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद अनिल फिरोजिया चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने उनके मुकाबले में तराना के विधायक महेश परमार को मैदान में उतारा है। फिरोजिया और परमार 2018 के विधानसभा चुनाव में आमने-सामने थे। फिरोजिया चुनाव हार गए थे। चुनाव हारने के बाद फिरोजिया को पार्टी ने लोकसभा की टिकट दी और वे चुनाव जीत कर सांसद बन गए। इसी तरह का प्रयोग इस बार भोपाल और ग्वालियर लोकसभा सीट पर भी हुआ है। भोपाल उत्तर से विधानसभा का चुनाव हारने के बाद आलोक शर्मा और ग्वालियर ग्रामीण से विधानसभा का चुनाव हारने वाले भारत सिंह कुशवाहा को लोकसभा का

टिकट दिया गया है। उज्जैन लोकसभा की सीट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रतिष्ठ दांव पर लगी हुई है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को फिरोजिया का नामांकन दाखिल कराया। उज्जैन वाले मोहन यादव की भाषा शैली और उसका भाव खूब समझते हैं। मालवा में किसी को भी उनका भाव समझने में दिक्कत नहीं होती। भाषण और स्वागत के दौरान लोगों को तालियां बजाने के लिए प्रेरित करना मुख्यमंत्री की आदत का हिस्सा है। लेकिन, बुंदेलखंड और बघेलखंड में कई बार मालवी भाषा उन्हें वोटर से नहीं जोड़ पाती है। शिवराज सिंह चौहान का भाषण ठेट देहती शैली में होता है। इस कारण वोटर से उनका सीधा संवाद भी आसानी से बन जाता है। शिवराज सिंह चौहान ने जिस खूबसूरती से महाकाल की मूर्तियों के हवा में उड़ जाने के मुद्दे को कमजोर किया था, उससे चुनाव में वह नुकसान से बच गए थे। उज्जैन

करने वाले लोग कहाँ हैं? 40-50 लाख इंदौरवासियों का मल मूत्र रोज इसमें मिलता है।

अरुण यादव ने पचौरी को लेकर किया खुलासा

सुरेश पचौरी कांग्रेस में बड़े नेता के रूप स्थापित थे। उन्होंने भी दलबदल कर लिया। उनका दल बदल वैसा ही चौंकाने वाला था जैसा ज्योतिरादित्य सिंधिया का था। सिंधिया के साथ 21 विधायक भी भाजपा में गए थे। सुरेश पचौरी भी धीरे-धीरे अपने समर्थकों के लिए भाजपा में जगह बना रहे हैं। उनके जाने से कांग्रेस के मौजूदा नेता खुश हैं। इनमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव भी हैं। अरुण यादव ने होशंगाबाद में पचौरी को लेकर कई खुलासे किए हैं। इटारसी कस्बे में हुई जनसभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने ने कहा जो नेताजी यहां के थे वह कहते थे इसको टिकट मत देना। इसको देना, इसको नहीं देना। उनका नाम टिकट कटाऊ नेताजी हो गया था। कोई भी अच्छा हो, मजबूत लीडर हो, उसको टिकट नहीं मिलना चाहिए। यह उनका क्राइटेरिया होता था, लेकिन हमने टिकट कटाऊ नेताओं की एक ना सुनी और जब नगरीय निकाय का चुनाव हुआ तब प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सारे नौजवानों को टिकट देने का काम किया। अरुण यादव ने कहा- मुझे याद है जब मैं 2013 में अध्यक्ष बना तो मुझे होशंगाबाद आने में बड़ा डर लगता था। यहां के नेताओं को थोड़ा बहुत पता होगा। डर क्यों लगता था ? यह आप समझ जाइए। डर इसलिए लगता था, क्योंकि यहां पर एक ऐसे नेता हमारे हुए। यहां ऐसा होता था यहां अगर आना है तो परमिशन लेनी पड़ती थी कि मैं प्रदेश का अध्यक्ष हूं अगर आपकी इजाजत हो तो मैं यहां पर शादी में हो आऊं। या किसी के यहां माताजी खत्म हो गईं, तो मुझे जाना है। यहां आने के लिए परमिशन लेनी पड़ती थी। अरुण यादव ने कहा- हिंदुस्तान के इतिहास में और कांग्रेस के इतिहास में एक नेता ऐसा हुआ जो 30 साल तक बिना चुनाव लड़े राज्यसभा का सदस्य रहा। मंत्री रहा। तमाम कांग्रेस पार्टी के ओहदों पर रहे। जो कोई भी चुनाव नहीं लड़ा और अगर लड़ा एक बार 27 हजार से, एक बार 32 हजार से हारे।

साध्वी प्रज्ञा के आश्रम की जमीन पर विवाद

साध्वी प्रज्ञा को भाजपा ने दुबारा लोकसभा में जाने का मौका नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नाराज थे। इस कारण टिकट नहीं मिला। आलोक शर्मा की लॉटरी खुल गई। आलोक शर्मा के प्रचार में साध्वी प्रज्ञा दिखाई नहीं दे रहीं। भोपाल से ही सांसद रहें उमा भारती उत्तराखंड की यात्रा पर चली गई हैं। टिकट न मिलने के बाद प्रज्ञा सिंह भी आश्रम बनाने की तैयारी कर रही हैं। मंगलवार को आश्रम की जमीन को लेकर जमकर झगमा हुआ। मामला नयापुरा का है जा बताया जाता है कि प्रज्ञा सिंह ने नेवरी के पास नयापुरा में आश्रम बनाने के लिए जमीन ली है। वे सोमवार को रात करीब 9 बजे कुछ लोगों के साथ जमीन पर कब्जा लेने के लिए पहुंचीं। गांव वालों के अनुसार उनके साथ एक जेसीबी भी थी। साध्वी ने मौके पर खड़े रहकर जमीन पर कब्जा लिया और इसके लिए गांव के पुराने रमशान घाट की बाउंड्री वॉल तोड़ दी। मामला राजस्व से जुड़ा हुआ है। इसलिए पुलिस ने बगैर एफआईआर दर्ज किए मामला राजस्व विभाग को भेज दिया है।

हरदा की युवती को धोखे से उज्जैन लाकर रेप

4 युवतियाँ समेत 8 गिरफ्तार ; इंदौर में रहकर चला रहे थे सेक्स रैकेट

उज्जैन (नप्र)। हरदा की युवती को धोखे से उज्जैन लाकर रेप करने का मामला सामने आया है। 18 आरोपियों ने युवती को महाकाल रेस्ट हाउस भेजा। यहां इनमें से एक युवक ने उसके साथ रेप और मारपीट की। पुलिस ने आरोपी 4 युवक और 4 युवतियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी युवतियाँ उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड और दिल्ली की रहने वाली हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी इंदौर में रहकर सेक्स रैकेट चला रहे थे। पीछड़ा बुधवार को नागझिरी थाने पहुंची। उसने बताया कि आरोपी उसके जान-पहचान वाले हैं। उसे काम दिलाने का कहकर उज्जैन लाए थे। उन्होंने जबरदस्ती उसे देह व्यापार में धकेलना चाहा। विरोध करने पर मारपीट की। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि गिरोह के गौरव भारती निवासी इंदौर, अमन पवार निवासी उज्जैन, रेप के आरोपी उज्जैन निवासी गोविंद पालीवाल समेत 8 को अरेस्ट किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पेड़ से टकराई कार, 7 माह के बच्चे की मौत

ऑकारेश्वर दर्शन कर लौट रहे थे महाराष्ट्र के श्रद्धालु ; 6 लोग गंभीर घायल

खंडवा (नप्र)। खंडवा के ऑकारेश्वर रोड पर बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में 7 माह के मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवार सभी लोग महाराष्ट्र से हैं। वे ऑकारेश्वर दर्शन करने आए थे। दर्शन कर वापस महाराष्ट्र लौट रहे थे। घायलों को सनावद सिविल अस्पताल से इंदौर रेफर किया है।

हादसा, दोपहर 12 बजे के करीब ऑकारेश्वर रोड पर मोरटक्का और थापना गांव के बीच हुआ। सूचना मिलते ही मोरटक्का चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सनावद सिविल अस्पताल ले गए। हादसे में 7 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 7 माह के कुणाल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पेड़ से टकराई कार चकनाचूर हो चुकी है। घायलों को सनावद से इंदौर रेफर किया गया है।

मोरटक्का चौकी प्रभारी शिवराम जाट के मुताबिक, घायलों में गणेश (35) और उसका परिवार है। बेटा विष्णु (15), पत्नी बीना (35), बेटी स्नेहा (2) और खुशी (5) सहित रामसिंह (55) है। इन्हें गंभीर रूप से चोटें आई हैं। प्रारंभिक जानकारी में हादसे की वजह कार का अनियंत्रित होना सामने आया है।

अनुष्का अग्रवाल म.प्र.10वीं बोर्ड टॉपर

500 में से 495 अंक, मैथ्स-साइंस सब्जेक्ट में 100 में से 100 अंक मिले

भोपाल (नप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश ने 10वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया है। मंडला के नैनपुर की रहने वाले अनुष्का अग्रवाल ने प्रदेश में टॉप किया है। उन्हें 500 में से 495 अंक मिले हैं। मैथ्स और साइंस सब्जेक्ट में अनुष्का ने 100 में से 100 अंक हासिल किए हैं।

9.65 लाख स्टूडेंट्स ने दी थी परीक्षा

इस साल 9.65 लाख स्टूडेंट्स ने दी परीक्षा थी। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 3,868 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे। 2024 में 9 लाख 65 हजार हजार छात्रों परीक्षा दी है। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 3,868 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे।

10वीं में भी छात्राएं हमेशा अव्वल

12वीं की तरह 10वीं में भी पिछले 5 सालों में छात्राओं ने छात्रों से बेहतर परफॉर्म किया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड के अनुसार साल 2019 में लड़के जहां 59.15 प्रतिशत पास हुए तो लड़कियों की यही संख्या 61.32 रही। वहां, हमेशा की तरह साल 2023 में छात्राओं का पाँसिंग प्रतिशत 66 से अधिक रहा। जबकि छात्र 2023 में 60 प्रतिशत से अधिक सवार हुए। इस साल कुल रिजल्ट 63.29 रहा था।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

टीकमगढ़ (नप्र)। जिले के बलदेवगढ़ थाना क्षेत्र के कैलपुरा गांव के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। बुधवार को बलदेवगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंपे गए। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

बलदेवगढ़ पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर रात कैलपुरा गांव के पास ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। कुड़ीला थाना क्षेत्र के पथराई गांव निवासी 32 वर्षीय परशुराम पिता मोहन लोधी और 22 वर्षीय तुलाराम पिता हरिराम लोधी बाइक से अपनी रिश्तेदारी में बलदेवगढ़ जा रहे थे। इसी दौरान रात काल कैलपुरा गांव के पास ट्रक ने बाइक सवार दोनों लोगों को टक्कर मार दी।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलदेवगढ़ लाया गया। जहां परीक्षा के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि तत्काल घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दी गई। आज सामुदायिक केंद्र में दोनों शवों का पीएम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।



महाकाल के गर्भगृह में 11 कलशों की गलतिका बांधी

हर कलश पर नदी का नाम; वैशाख से ज्येष्ठ तक सतत जलधारा प्रवाहित की जाएगी

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर के गर्भगृह में मंगलवार को वैशाख कृष्ण प्रतिपदा पर 11 मिट्टी के कलशों की गलतिका बांधी गई। कलशों पर नदियों के नाम गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, सरयु, शिप्रा, गंडकी, बेतवा अंकित किए गए हैं।

वैशाख और ज्येष्ठ माह में गर्मी चरम पर होती है। ऐसे में गलतिका के माध्यम से 22 जून (ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा) तक श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग पर सतत शीतल जलधारा प्रवाहित की जाएगी। दो महीने (24 अप्रैल से 22 जून तक) प्रतिदिन भस्म आरती के बाद सुबह 6 बजे से संध्या कालीन पूजन (शाम 5 बजे) तक गलतिका बंधी रहेगी।

मान्यता: शीतलता के लिए बांधी जाती है गलतिका

पं. महेश पुजारी के अनुसार, समुद्र मंथन के समय भगवान शिव ने गरल (विष) पान किया था। गरल अग्नि शमन करने के लिए ही आदिदेव सदाशिव का जलाभिषेक किया जाता है। गर्मी के दिनों में विष की उष्णता (गर्मी) और भी बढ़ जाती है, इसलिए वैशाखऔर ज्येष्ठ मास में भगवान को शीतलता प्रदान करने के लिए मिट्टी के कलश से ठंडे पानी की जलधारा प्रवाहित की जाती है। इसको पलतिका कहते हैं।



भगवान महाकाल का जल से अभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक - पूजन किया गया। रजत के आभूषणों, भांग, चंदन, सूखे मेवे से गणेश रूपी दिव्य श्रृंगार किया गया। मस्तक पर त्रिपुंड्र, शेषनागा का रजत मुकुट धारण कर रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला अर्पित की गई। सुगंधित पुष्प से भी माला धारण की। नवीन वस्त्र अर्पित कर फल और मिष्ठान का भाग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।